www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
29.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 96.325g
चांदी 97,900kg

2 रक्षा मोर्चे पर आत्मनिर्भरता का उद्घोष, इनोवेशन से ही बनेगी बात

शिक्षा विभाग की अहम बैठक 04

वर्ष :08 | अंक :328 | मुंबई , मंगलवार , 20 मई , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 22 मई तक आंधी और भारी वर्षा का अनुमान जताया। मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब से उत्तर बांग्लादेश तक बना पूर्व-पश्चिम ट्रफ (कम दबाव का क्षेत्र), हवा का अनुकूल पैटर्न और बंगाल की खाड़ी से नमी का प्रवेश इस बढ़ी हुई वर्षा का कारण होगा। मौसम विभाग ने कहा कि 22 मई तक विभिन्न दिनों में उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरदुआर, कूचबिहार, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि पुरुलिया, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, बांकुड़ा, मुर्शिदाबाद, नदिया और पश्चिम वर्धमान समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में आंधी-तूफान और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार सुबह 8 .30 बजे तक 24 घंटों में उत्तर बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई।

बलिया में वीडियो कालिंग करते हुए प्रेमी युगल ने विषाक्त पदार्थ खाया, युवती की मौत

बलिया जिले में रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में वीडियो कॉलिंग पर बात करते हुए एक विजातीय प्रेमी युगल ने कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस मामले में प्रेमी युवक के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के बड़की बउली गांव में रविवार देर रात लगभग दो बजे प्रिया पाठक (20) और चिंतामन चौहान (24) ने आपस में वीडियो कॉलिंग पर बात करते हुए विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर खाने से प्रिया पाठक की मौत हो गई तथा चौहान को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रिया पाठक और चिंतामन चौहान पड़ोसी थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अवधेश कुमार अवस्थी ने सोमवार को बताया कि प्रेमी युगल का पिछले कई वर्ष से प्रेम संबंध चल रहा था, लेकिन परिजन उनकी शादी के लिए तैयार नहीं थे और इस बीच प्रिया पाठक की सगाई भी 22 मई को दूसरे के साथ होने वाली थी।

भारत ने कितने विमान खोए, देश को सच जानने का हक : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने साधा विदेश मंत्री पर निशाना , विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

आरोप

राहुल गांधी ने 17 मई का विदेश मंत्री जयशंकर का एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की शुरूआत में हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं, इसलिए सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का विकल्प है।

एजेंसी

सिंदूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे...कांग्रेस ने फिर साधा मोदी और जयशंकर पर निशाना

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान को पहले से सूचित करने का आरोप लगाया। खेड़ा ने दावा किया कि भारत ने आतंकवादी स्थलों पर हमला करने से पहले ही सूचित कर दिया था, सिंदूर का सौदा हो रहा है, पीएम मोदी चुप रहे...। उन्होंने इस कृत्य को निर्णय की गंभीर चूक बताया। खेड़ा ने पूछा, ₹अगर उन्होंने (एस जयशंकर) पाकिस्तान को पहले से आगाह नहीं किया होता, तो क्या अजहर मसूद और हाफिज सईद जैसे आतंकवादी बच निकलते? खेड़ा ने एक्स पर राहुल गांधी द्वारा हाल ही में पोस्ट किए गए पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर द्वारा जवाबी कार्रवाई से पहले पाकिस्तान को सूचित करने के कथित बयान पर सवाल उठाया गया था। उन्होंने कहा, यह जानना महत्वपूर्ण है कि कितने विमान खो गए, देश को कितना नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले। नागरिकों को जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा, यह जानना महत्वपूर्ण है कि कितने विमान नष्ट हुए, देश को कितना नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले। नागरिकों को यह जानने का अधिकार है।

> उन्होंने आगे दावा किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर जी ने खुद मीडिया एजेंसियों को बताया कि हमने हमला करने से पहले पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। खेड़ा ने सवाल किया कि अब ये सूचित करने का क्या मतलब होता है? विदेश मंत्री जी को पाकिस्तान पर इतना भरोसा है कि उनके कहने पर आतंकी चुपचाप बैठेंगे? विदेश मंत्री जी का क्या रिश्ता है और उन्होंने हमले से पहले पाकिस्तान को क्यों बताया? दरअसल, इसे कूटनीति नहीं बल्कि मुखबिरी कहा जाता है।

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर पर फिर से सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने कितने विमान खोए, इस पर वे चुप हैं। उन्होंने कहा कि देश को सच्चाई जानने का हक है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ.बयानबाजी नहीं है, बल्कि यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगा: हमने कितने भारतीय विमान खो दिए, क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है।

राहुल गांधी ने 17 मई का विदेश मंत्री जयशंकर का एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की शुरूआत में हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं, इसलिए सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का विकल्प है। उन्होंने अच्छी सलाह नहीं मानने का विकल्प चुना। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि राजनीति के रणनीतिकारों द्वारा भी लड़े जाते हैं। हमारे नेता राहुल गांधी जी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं।

भारत कोई धर्मशाला नहीं है जो सारी दुनिया को...

सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंका के शख्स की याचिका खारिज करते हुए की सख्त टिप्पणी

> याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ़्तार किया गया था। यह एक ऐसा समूह है जिसने देश के भाषाई तमिल अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग देश की स्थापना के लिए दशकों तक चले गृहयुद्ध में श्रीलंका सरकार से लड़ाई लड़ी थी। भारत सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है जो दुनिया भर के शरणार्थियों को जगह दे सके, जबकि वह पहले से ही 140 करोड़ लोगों की आबादी का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहा है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी एक श्रीलंकाई नागरिक की याचिका को खारिज करते हुए की, जिसमें उसके निर्वासन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। लाइव लॉ के अनुसार, वह हाल ही में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत कारावास की सजा काट चुका है। याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ़्तार किया गया था। यह एक ऐसा समूह है जिसने देश के भाषाई तमिल अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग देश की स्थापना के लिए दशकों तक चले गृहयुद्ध में श्रीलंका सरकार से लड़ाई लड़ी थी। भारत सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

2018 में ट्रायल कोर्ट ने यूएपीए के तहत इस व्यक्ति को दोषी ठहराया था। मद्रास उच्च न्यायालय ने उसकी जेल की अवधि दस साल से घटाकर सात साल कर दी और उसे जेल की अवधि पूरी होते ही देश छोड़ने को कहा। तीन साल से शरणार्थी शिविर में बंद इस व्यक्ति ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि अगर वह श्रीलंका लौटता है तो उसकी जान को खतरा है। उसने कहा कि वह उचित वीजा पर भारत आया था, उसने बताया कि उसकी पत्नी और बच्चे अब भारत में बस गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने अपने निर्वासन की प्रक्रिया में कथित देरी का भी हवाला दिया और शीर्ष अदालत से इस पर रोक लगाने की मांग की।

ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड

जासूसी के आरोपों में घिरी यूट्यूबर पर बड़ा एक्शन

एजेंसी

> ज्योति मल्होत्रा यूट्यूब के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर भी काफी लोकप्रिय थी. इंस्टाग्राम पर उसके 1.32 लाख फॉलोअर्स थे.

हैदराबाद: फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा ने जासूसी के आरोपों में घिरी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के इंस्टाग्राम अकाउंट को सस्पेंड कर दिया है. ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है और उसे 17 मई को गिरफ्तार किया गया था. फिलहाल वह पुलिस रिमांड में है. आरोप है कि ज्योति मल्होत्रा इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सऐप के माध्यम से पाकिस्तानी एजेंटों के संपर्क में थी. इंस्टाग्राम पर ज्योति अपनी ग्लैमरस तस्वीरें और रील्स साझा करती थी.

इंस्टाग्राम पर थे लाखों फॉलोअर्स: ज्योति मल्होत्रा यूट्यूब के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर भी काफी लोकप्रिय थी. उसका यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' 3.77 लाख सब्सक्राइबर्स के साथ काफी चर्चित है. वहीं इंस्टाग्राम पर उसके 1.32 लाख फॉलोअर्स थे.

पाकिस्तान यात्रा और करक से संबंध का आरोप: पुलिस जांच में पता चला है कि ज्योति मल्होत्रा ने 2023 में कमीशन एजेंटों के माध्यम से वीजा प्राप्त करके पाकिस्तान की यात्रा की थी. वहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से हुई थी, जिसे हाल ही में भारत से निष्कासित किया गया है. पुलिस का मानना है कि इस दौरान ज्योति मल्होत्रा ने संवेदनशील जानकारी साझा की.17 मई को हुई थी गिरफ्तारी: पुलिस के अनुसार, यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. हिसार पुलिस ने 17 मई को उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया. ज्योति मल्होत्रा 33 साल की हैं.

पानी-पानी हुआ हाईटेक सिटी बेंगलुरु, एक व्यक्ति की मौत, डीके शिवकुमार बोले- समाधान के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी

बेंगलुरु । भारी बारिश के कारण बेंगलुरु के कई इलाकों में बाढ़ आने के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को शहर में लंबे समय से चल रही नागरिक समस्याओं को स्वीकार करते हुए कहा कि यह संकट नया नहीं है, लेकिन उनकी सरकार इसे दीर्घकालिक, टिकाऊ समाधान के साथ सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारे अधिकारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मैं तुरंत बेंगलुरु जा रहा हूं।

ऑपरेशन सिंदूर का विकराल रुप अभी बाती है

मेजर जनरल कार्तिक शेषाद्री ने पाकिस्तान को चेतावनी

एजेंसी

> भारत में किसी भी उपयुक्त और उचित टार्गेट के अभाव से पाकिस्तानी सेना ने जानकर भारतीय सैन्य ठिकानों और सिविल इलाकों को निशाना बनाया... पाकिस्तानी आर्मी के लिए सभी टार्गेट जायज हैं मगर भारतीय सेना उनके नापाक मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी।

नयी दिल्ली। पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए 15 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने पड़ोसी देश से किसी भी तरह के दुस्साहस में शामिल होने से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल रोका गया है और अभी पूरा नहीं हुआ है। मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि भारतीय सेना ने केवल आतंकवाद और आतंकी ठिकानों को बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के निशाना बनाया और सटीक तरीके से नाश किया... भारत में किसी भी उपयुक्त और उचित टार्गेट के अभाव से पाकिस्तानी सेना ने जानकर भारतीय सैन्य ठिकानों और सिविल इलाकों को निशाना बनाया... पाकिस्तानी आर्मी के लिए सभी टार्गेट जायज हैं मगर भारतीय सेना उनके नापाक मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा प्रक्षेपित मिसाइलों का मलबा दिखाया, जिन्हें भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा रोककर मार गिराया गया। मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर से आतंकवादियों का सहारा लिया तो उसका अवश्य ही नाश होगा। याद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं हुआ है। उसका विकराल रूप अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि सारा विश्व जानता है कि पाकिस्तानी सेना ने सुनियोजित तरीके से 22 अप्रैल को पहलगाम में अपने आतंकियों द्वारा देश और विदेश के निहत्थे पर्यटकों पर हमला करवाया था.

2027 तक यूपी को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प, योगी सरकार ने कसी कमर

जागरूकता अभियान के माध्यम से बाल श्रमिकों के पुनर्वासन पर लगातार कार्य कर रही योगी सरकार

> योगी सरकार के प्रयासों से अब तक 10,336 बाल श्रमिकों की हो चुकी है पहचान. सीएम योगी के प्रयासों का बीते आठ वर्षों में दिखने लगा असर, 12,426 बच्चों को मिला शिक्षा मौका. बाल श्रमिक विद्या योजना के माध्यम से 2000 बच्चों को शिक्षा व आर्थिक सहायता से जोड़ चुकी है सरकार. 12 जून को अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित.

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बाल श्रम के विरुद्ध निर्णायक अभियान की शुरूआत हो चुकी है। योगी सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य तय करते हुए बहुआयामी योजनाओं को जमीन पर उतार दिया है। जागरूकता से लेकर शिक्षा और पुनर्वासन तक, हर स्तर पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि बचपन को मजबूरी नहीं, अवसर मिल सके। योगी सरकार का यह अभियान अब सिर्फ सरकारी फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि हर गांव, हर गली तक पहुंच चुका है, जहां बचपन मुस्कुरा रहा है और भविष्य आकार ले रहा है। बाल श्रम की रोकथाम के लिए 12 जून को अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि बच्चों का स्थान केवल स्कूल में है, श्रम में नहीं।

मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के सर्वे को दी मंजूरी

> अदालत ने निचली अदालत के आदेश में कोई मुद्दा नहीं पाया। गाजियाबाद में अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि सर्वे सही था। जो भी सर्वे हुआ था, उसे पढ़कर रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा। अगर वे (मुस्लिम पक्ष) सुप्रीम कोर्ट जाते हैं तो हम उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत द्वारा जारी आदेश को बरकरार रखा। मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी गई। अदालत ने निचली अदालत के आदेश में कोई मुद्दा नहीं पाया। गाजियाबाद में अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि सर्वे सही था। जो भी सर्वे हुआ था, उसे पढ़कर रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा। अगर वे (मुस्लिम पक्ष) सुप्रीम कोर्ट जाते हैं तो हम उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

ऐलान | प्रशांत किशोर ने किया ऐलान

पूर्व सांसद पप्पू सिंह बने जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी

नयी दिल्ली। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को घोषणा की कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि अब वह जन संपर्क पर ध्यान केंद्रित करेंगे और संगठन चलाने की जिम्मेदारी उदय सिंह और आरसीपी सिंह जैसे लोगों को सौंपेंगे। पिछले साल 2 अक्टूबर को शुरू हुई जन सुराज पार्टी बिना किसी पूर्णकालिक अध्यक्ष के चल रही थी। हालांकि किशोर ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह कोई आधिकारिक पद नहीं संभालेंगे, लेकिन पार्टी की स्थापना के कुछ समय बाद ही पूर्व आईपीएस अधिकारी मनोज भारती को 'कार्यकारी अध्यक्ष' नियुक्त कर दिया गया।किशोर ने यह भी दावा किया कि उदय सिंह, जिन्हें पार्टी को रसद सहायता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, को इस उद्देश्य के लिए गठित एक समिति द्वारा केवल बहुमत से नहीं, बल्कि सर्वसम्मति से चुना गया था। पिछले साल जुलाई में राज्य स्तरीय कार्यशाला के दौरान किशोर ने कहा था, ₹इस दल का नेता प्रशांत किशोर नहीं है। इस पार्टी का नेता वह व्यक्ति होगा जो बिहार का सबसे सक्षम चेहरा हो और जिसे सभी का समर्थन प्राप्त हो। पिछले साल बिहार में हुए उपचुनावों में जन सुराज तीन निर्वाचन क्षेत्रों में कोई सीट हासिल करने या जमानत बचाने में विफल रहा था। एनडीए ने उपचुनावों में जीत हासिल की, सभी चार विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की, इमामगंज को बरकरार रखा और तरारी, रामगढ़ और बेलागंज पर इंडिया ब्लॉक से कब्जा किया। बीपीएससी आंदोलन के दौरान जब प्रशांत किशोर के अनशन के दौरान एक वैनिटी वैन पर विवाद हुआ था तब पप्पू सिंह ने सामने आकर बताया था कि वो वैन उनकी है और उन्होंने प्रशांत किशोर को इस्तेमाल करने के लिए इसे दोस्ती-यारी में दिया है। पप्पू सिंह ने तब बताया था कि जब प्रशांत किशोर पदयात्रा कर रहे थे तब वो शुरूआत में राजनीतिक दल बनाने के पक्ष में नहीं थे। पप्पू सिंह ने कहा था कि वो राजनीतिक खेल समझते हैं, इसलिए उन्होंने अपने ही लोगों के जरिए जन सुराज पार्टी के नाम से तब एक दल को चुनाव आयोग में रजिस्टर करा लिया था। पप्पू आशंकित थे कि प्रशांत को परेशान करने के लिए कोई जन सुराज नाम से दल रजिस्टर करवा सकता था।

> एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि अब वह जन संपर्क पर ध्यान केंद्रित करेंगे और संगठन चलाने की जिम्मेदारी उदय सिंह और आरसीपी सिंह जैसे लोगों को सौंपेंगे। पिछले साल 2 अक्टूबर को शुरू हुई जन सुराज पार्टी बिना किसी पूर्णकालिक अध्यक्ष के चल रही थी।

दिल्ली में बीजेपी ने निकाली तिरंगा यात्रा

सीएम रेखा गुप्ता और स्मृति ईरानी हुईं शामिल, सशस्त्र बलों का जताया आभार

> सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, भारतीय सशस्त्र बलों और भारत सरकार ने देश के 140 करोड़ लोगों के सम्मान के हित में सशक्त फैसले लिए। पीएम ने सशस्त्र बलों को आदेश दिया कि वे जाकर (पाकिस्तान में) हर आतंकवादी शिविर को नष्ट करें, पाकिस्तान को करारा जवाब मिला।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा नेता स्मृति ईरानी और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन के साथ ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम सब यहां एकत्र हुए हैं। देश की सभी महिलाएं भारतीय सशस्त्र बलों के सामने नतमस्तक हैं। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जिस तरह उन्होंने करोड़ों महिलाओं के सम्मान की रक्षा की, सीमाओं की रक्षा की और आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया - मैं उनका तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं। सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, भारतीय सशस्त्र बलों और भारत सरकार ने देश के 140 करोड़ लोगों के सम्मान के हित में सशक्त फैसले लिए। पीएम ने सशस्त्र बलों को आदेश दिया कि वे जाकर (पाकिस्तान में) हर आतंकवादी शिविर को नष्ट करें, पाकिस्तान को करारा जवाब मिला। (भारत के) 140 करोड़ लोग एकजुट हैं। ये महिलाएं सशस्त्र बलों और भारत सरकार के साथ खड़ी हैं। यही संदेश देने के लिए महिलाओं द्वारा यह तिरंगा यात्रा, सिंदूर यात्रा निकाली गई है। स्मृति ईरानी ने कहा कि ऑपरेशनसिंदूर हमारे देश का एक प्रतीक है, एक संकल्प है।

सम्पादकीय

विदेश व्यापार में नया मोड़, भारत-ब्रिटेन समझौते से बढ़ेंगे कारोबार के मौके

भारत द्वारा ओमान कनाडा दक्षिण अफ्रीका इजरायल भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। भारत जिस तरह से विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए कदम बढ़ा रहा है उससे हमारे लिए दुनिया में निर्यात और कारोबार के मौके बढ़ सकते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हाल में सहमति बन गई। आगामी तीन माह में दोनों देश इस एफटीए पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत और छठी बड़ी अर्थव्यवस्था ब्रिटेन के बीच व्यापार के लिए नए मापदंड स्थापित करेगा। इससे भारत और ब्रिटेन के बीच वर्ष 2030 तक व्यापार दोगुना कर 120 अरब डालर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इस एफटीए से ब्रिटेन के बाजार में भारत को लगभग 99 प्रतिशत उत्पादों पर शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा। इससे भारतीय वस्तुओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में पहुंच सुगम होने के साथ अन्य देशों के उत्पादों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। खासतौर से एनिमल प्रोडक्ट, खाद्य तेल, कपड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, खिलौने, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, वाहन कलपुर्जा और इंजन तथा कार्बनिक रसायन जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों, श्रमिकों, एमएसएमई, स्टार्टअप और इनोवेटर्स को बड़ा लाभ होगा। भारत में करीब 90 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क में कमी के प्रविधान ब्रिटेन को भी लाभान्वित करेंगे। ब्रिटेन के लिए भारत में व्हिस्की, कार एवं अन्य उत्पाद निर्यात करना आसान हो जाएंगे। एफटीए के साथ ही दोनों देशों ने दोहरे अंशदान समझौते या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर भी मुहर लगाई है। इससे ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान से तीन साल की छूट मिलेगी। इस करार से ब्रिटेन में न केवल कुशल, पेशेवर श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी, बल्कि भारतीय सेवा प्रदाताओं को बहुआयामी वित्तीय लाभ भी होंगे। वास्तव में अमेरिका द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल को देखते हुए भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में तत्परता दिखाई है। यह एफटीए भारत के साथ ब्रिटेन की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के ब्रिटेन के महत्वाकांक्षी एजेंडे का हिस्सा भी है। इस एजेंडे के तहत ब्रिटेन भारत को विश्व के बड़े देशों के बीच अहम स्थान प्रदान करता है। ब्रिटेन ने अपने उत्पादों खासतौर से खान-पान के सामान से लेकर पेय पदार्थों के लिए भारत की उपभोक्ता प्रधान अर्थव्यवस्था तक सुगम पहुंच सुनिश्चित की है।

आज का विचार

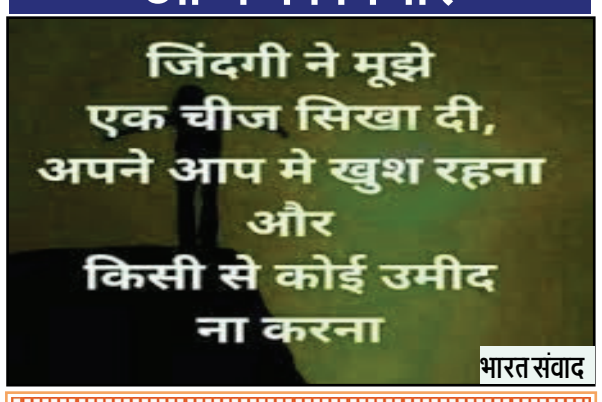

राशिफल

मेष राशि : दिन बहुत लाभदायक रहेगा. आमदनी में बढ़ोतरी होगी और आप का मनोबल भी बढ़ेगा. कार्यक्षेत्र में अच्छे संबंध बनाकर रखने से आपको लाभ मिलेगा. भाग्य का साथ आपको मिल सकता है, हालांकि पिताजी से दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा.

वृषभ राशि : आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा और आप कई महत्वपूर्ण फैसले लेंगे. आपकी क्षमता के कारण आपको अच्छी नौकरी मिल सकती है. इस मौके का लाभ उठा कर आपको अपने क्षेत्र की और जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए.

मिथुन राशि: आपका जोश भी चरम पर हो सकता है. नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. रिश्तों से जुड़े कई पहलू आपके लिए खास हो सकते हैं. किसी रिश्ते को मजबूत करने या टूटते रिश्ते को बचाने के लिए कोई सलाह लेनी हो, तो आपके लिए समय बहुत अच्छा हो सकता है.

कर्क राशि : दिन थोड़ा सा कमजोर रह सकता है. खर्चों में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहेगा मानसिक रूप से तनाव में रहेंगे लेकिन दांपत्य जीवन सुख देगा. जीवनसाथी से प्रेम मिलेगा और प्रेम जीवन में कुछ समस्याएं रह सकती हैं.

सिंह राशि: सिंह राशि को भावनात्मक तौर पर एक नई ऊर्जा महसूस होगी. कोई पुराना मित्र आप तक किसी न किसी तरह पहुंच जाएगा और आपको अतीत की यादों में ले जाएगा. विरोधी सक्रिय हो सकते हैं जिससे विवाद की स्थिति बनेगी.

कन्या राशि : आपका रवैया काफी सहानुभूतिपूर्ण और लचीला हो सकता है. ज्यादातर मामलों को आप पूरी गहराई में जाकर ही समझ सकेंगे. माता-पिता के साथ संबंधों में सुधार होने के योग बन रहे हैं. किसी दोस्त को आपकी सलाह से बड़ा फायदा हो सकता है.

तुला राशि: दिन प्रेम जीवन के लिए बेहतरीन दिनों में से एक होगा. दोपहर बाद स्थिति में थोड़ा बदलाव आएगा और आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी. परिवार का वातावरण आपको सुख देगा. भाई बहनों को शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं.

वृश्चिक राशि : भाई-बहनों के साथ संबंधो में मिठास बनी रहेगी. अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं. आने वाले दिनों में कोई बड़ी खुशखबरी मिलने के भी योग बने हुए हैं.

धनु राशि : आप थोड़े व्यावहारिक रहेंगे. इससे आपको फायदा होगा. सामाजिक तौर पर आप बहुत सक्रिय भी रहेंगे. भावनात्मक दृष्टि से आप उत्साहित रहेंगे. आपको खुद पर भी पूरा भरोसा है और दूसरों पर भी रहेगा. नए विचार भी आपके दिमाग में आएंगे.

मकर राशि: दिन अच्छा रहेगा. खर्चे तो काफी है लेकिन फिर भी आप खुशी ढूंढ लेंगे. अपने प्रिय से अच्छे तरीके से पेश आएं और आज के दिन को बेहतर बनाएं. दांपत्य जीवन के लिए दिन बहुत बढ़िया रहेगा. जीवन साथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं

कुंभ राशि : आपको परिवार से सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में अनुकूलता से प्रसन्नता का अनुभव होगा. बिजनेस व्यापार करने वाले लोगों को जबरदस्त धन लाभ की प्राप्त होगा. आपके दांपत्य जीवन में खुशियों का आगमन होगा

मीन राशि : किस्मत का साथ मिल सकता है. हालात और आपसे मिलने वाले लोग आपको कुछ नया करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं. इस समय की गई कोशिशों की सफल होने की उम्मीद भी ज्यादा हो सकती है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

रक्षा मोर्चे पर आत्मनिर्भरता का उद्घोष, इनोवेशन से ही बनेगी बात

रक्षा उत्पादन में आ रही तेजी के पीछे बड़े सुधारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। रक्षा उत्पादन को गति प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेंस कारिडोर बनाए गए हैं। स्टार्टअप प्रोत्साहित करने में आईडीईएक्स की सफलता भी उल्लेखनीय है। स्वदेशीकरण के लिए सृजन जैसी पहल को अमल में लाने के साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी को परवान चढ़ाना भी कारगर रहा।

आधुनिक रणभूमि के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। अब सैनिकों की संख्या अधिक मायने नहीं रह गए हैं। आज जो देश अपनी रक्षा तकनीक विकसित नहीं करेगा, वह दूसरों पर निर्भर होकर रह जाएगा। आधुनिक दौर की जंग केवल सैन्यकर्मियों की संख्या से नहीं, बल्कि नवाचार के आधार पर ही जीती जा सकती है और ऐसा नवाचार निश्चित रूप से अपने दम पर यानी स्वदेशी एवं संप्रभु प्रकृति का होना चाहिए।दुश्मन में केवल आपके हथियारों के जखीरे का ही डर न हो, बल्कि उन्हें उपयोग करने की आपकी दृढ़ता से वह भयाक्रांत हो। अगर कोई देश ऐसी सैन्य सामग्री के आयात पर निर्भर हो, जो तत्काल उपलब्ध न हो या रक्षा अनुबंध गुपचुप शर्तों से बंधे हों तो सामरिक क्षमताएं सदैव संदेह के दायरे में रहेंगी। कोई भी देश तब तक संप्रभुता का दावा नहीं कर सकता, जब तक कि वह अपनी रक्षा के लिए आवश्यक रक्षा सामग्री के निर्माण, रखरखाव और उसके समयानुकूल उन्नयन में सक्षम नहीं हो पाता।निवारक शक्ति केवल क्षमताएं हासिल करने से नहीं, बल्कि उन क्षमताओं के विश्वसनीय उपयोग से अर्जित होती है। भारत इन सभी पहलुओं को भलीभांति समझता है और आपरेशन सिंदूर को इसकी उद्घोषणा कहा जा सकता है। आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर की गई सैन्य कार्रवाई सटीकता, संयम और जबरदस्त तकनीकी प्रभुत्व से ओतप्रोत रही। पूरा विश्व केवल इसके अप्रत्याशित परिणाम से हैरान ही नहीं, बल्कि हमारी स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं का लोहा मान रहा है। यह अभियान भारतीय विज्ञानियों की तकनीक और भारतीय उपग्रहों के जरिये संचालित किया गया।पाकिस्तान ने जब भारत की उत्तरी एवं पश्चिमी सीमा पर ड्रोन की बौछार शुरू की तो डीआरडीओ द्वारा विकसित सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम आकाश ने उन्हें अचूक निशाने से नष्ट कर दिया। संवेदनशील इलाकों को हवाई हमलों से बचाने के लक्ष्य से विकसित आकाश सिस्टम एक साथ कई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। पेचोरा और ओएसए-एके जैसे पुराने सिस्टम ने बाहरी दायरे को सुरक्षित रखा, जबकि आकाश ने एक अभेद्य कवच की भूमिका निभाई। आकाशतीर ने भी एक नई नजीर पेश की।बड़ी खामोशी के साथ विकसित आकाशतीर के लिए आपरेशन सिंदूर अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर बना। इसने दर्शाया कि यह एक ऐसी रक्षा प्रणाली है, जो युद्ध के परिणाम बदलने की क्षमता रखती है। यह पूर्ण रूप से स्वदेशी अद्भुत रक्षा तकनीक है। यह तेजी से अपना लक्ष्य चिह्नित करते हुए तत्काल कार्रवाई करता है। जहां पाकिस्तान चीन में बने एचक्यू-9 और एचक्यू-16 जैसी प्रणालियों के भरोसे रहा, जो भारतीय हमले के आगे बिखर गईं, वहीं आकाशतीर ऐसी ढाल बना जिसने प्रत्येक पाकिस्तानी प्रोजेक्टाइल को नष्ट करके दिखाया। यह आत्मनिर्भरता की अद्भुत अभिव्यक्ति है।अभेद्य रक्षा पंक्ति के साथ भारत की मारक क्षमताएं भी पाकिस्तान की कमर तोड़ने वाली रहीं। देश में असेंबल हुए कामिकाजे ड्रोन अपने लक्ष्य की निशानदेही के साथ उसके इर्दगिर्द मंडराने में सक्षम हैं, जो मिसाइल हमलों के लिए आधार तैयार करते हैं। यह दर्शाता है कि भारतीय इंजीनियर रक्षाकर्मियों की जान जोखिम में डाले बिना घातक क्षमताओं वाली सामग्री तैयार कर सकते हैं। इस अभियान में सक्रिय सभी पायलटों का सुरक्षित लौट आना इसका प्रमाण है। पाकिस्तान के मानमर्दन का यह पूरा अभियान महज 23 मिनट में अंजाम दिया गया। दुश्मन की आयातित रक्षा प्रणाली को इसकी भनक तक नहीं लगी और लगी भी होगी तो वह उसे भेद नहीं पाई।आपरेशन सिंदूर में इसरो के उपग्रहों की भी महती भूमिका रही। कम से कम दस उपग्रह दुश्मन की गतिविधियों को भांप रहे थे। उन्होंने लक्ष्यों को चिह्नित करने में समन्वय के साथ ही निर्बाध संचार सुनिश्चित किया। यह सैन्य अभियान घरेलू ड्रोन उद्योग की क्षमताओं को व्यापक मान्यता दिलाने का मंच भी बना। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानी पीएलआइ योजना से देश में 11 अरब डालर के ड्रोन उद्योग को तेजी के पंख लगे हैं।ड्रोन फेडरेशन आफ इंडिया 550 से अधिक कंपनियों और 5,500 पंजीकृत पायलटों की प्रतिनिधि संस्था बन गई है। घरेलू एवं निर्यात आवश्यकताओं की पूर्ति वाली यह तकनीकी पहल केवल आर्थिक क्रांति ही नहीं, बल्कि सामरिक तैयारी की अहम कड़ी बनकर भी उभरी है।आज भारत में रक्षा उत्पादन का दायरा इतना बढ़ गया है, जिसकी एक दशक पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लड़ाकू विमान तेजस से लेकर धनुष आर्टिलरी और अर्जुन टैंक से लेकर स्वदेश निर्मित पनडुब्बियों तक देश में 65 प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण घरेलू स्तर पर हो रहा है।पूर्व में 70 प्रतिशत आयात के अनुपात में यह उपलब्धि बड़ी ऊंची छलांग है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान भारत में 1.27 लाख करोड़ रुपये का रिकार्ड रक्षा उत्पादन हुआ, जो वित्त वर्ष 2014 के 24,000 करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में 24 गुना अधिक रहा। 2029 तक भारत का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन एवं 50,000 करोड़ रुपये के उत्पादों के निर्यात का है। स्पष्ट है कि भारत न केवल स्वयं की रक्षा के प्रति संकल्पबद्ध है, बल्कि वह विश्व को किफायती दरों पर प्रभावी रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।रक्षा उत्पादन में आ रही तेजी के पीछेबड़े सुधारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। रक्षा उत्पादन को गति प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेंस कारिडोर बनाए गए हैं। स्टार्टअप प्रोत्साहित करने में आईडीईएक्स की सफलता भी उल्लेखनीय है। स्वदेशीकरण के लिए सृजन जैसी पहल को अमल में लाने के साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी को परवान चढ़ाना भी कारगर रहा। कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र का योगदान अब 21 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जिसमें छोटी एवं मझोली कंपनियां और लाइसेंस प्राप्त कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ बनी हुई हैं।नवाचार अब केवल पश्चिम की बपौती नहीं। भारतीय प्रयोगशालाओं में नवाचार को साकार रूप देकर रणभूमि में उसकी प्रभावी परख भी हो रही है। आपरेशन सिंदूर इन्हीं संकल्पनाओं का व्यावहारिक परिणाम रहा। भारत का संदेश है कि वह मदद की प्रतीक्षा न करके अपनी क्षमताएं खुद विकसित करेगा। आज जब देशों की आस्थाएं बदलकर नए गुट बन रहे हैं और निर्भरता को हथियार बनाया जा रहा है, तब आपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता का उद्घोष भी कर रहा है।

श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नही चिंतन की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता ह निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता ह जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता ह बड़ीसफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती ह जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता ह यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी ह

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती ह और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती ह भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम ,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता

जातिगत जनगणना के बाद आरक्षण सीमा बढ़ना तय

(डॉ. चन्दर सोनाने)

केन्द्र सरकार ने देश में जातीय जनगणना की घोषणा कर सबको चौंका दिया। कल तक जातीय जनगणना का घोर विरोध करने वाली भाजपा अचानक जातीय जनगणना की पैरोकार हो गई। यह भी पहली बार हुआ कि केन्द्र सरकार की घोषणा का विपक्षी दलों सहित सबने स्वागत किया। जातीय जनगणना जब भी होगी, यह तय है कि आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़कर रहेगी, इसे अब कोई नहीं रोक सकता। आइये, जनगणना के इतिहास की पड़ताल करें। सबसे पहले देश में पहली जनगणना अंग्रेजों के शासनकाल में 1872 में हुई। इसके बाद से 1931 तक हर जनगणना में जाति की जानकारी दर्ज की गई थी। देश के आजाद होने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई। इस जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को ही जाति के आधार पर वगीकृत किया गया। इसके बाद हर सरकार ने जातिगत जनगणना से दूरी बना ली। सन 1979 में मंडल कमीशन बना। इसका उद्देश्य था सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देना। इसके बाद 1980 के दशक के आते-आते अनेक राज्यों में अनेक क्षेत्रीय दल उभरे। इनकी राजनीति मुख्यतः जाति आधारित ही थी। इन दलों ने जातिगत आरक्षण के लिए अनेक आंदोलन भी किए। 1990 में देश में पहली बार ओबीसी आरक्षण लागू किया गया। इसके बाद से ही जातिगत जनगणना की माँग और तेजी से उठने लगी। सन 2010 में विभिन्न दलों की माँग पर केन्द्र सरकार जातिगत जनगणना के लिए तैयार हुई। आजादी के बाद पहली बार 2011 में सामाजिक-आर्थिक जनगणना कराई गई। किन्तु इसके आँकड़े कभी भी जारी नहीं किए गए। इसके बाद 2014 में भाजपा सरकार आई, उसने भी जातिगत जनगणना के आँकड़े जारी करने से कन्नी काट ली। भाजपा देश में ऐसी सबसे बड़ी पार्टी बन गई जो जातिगत जनगणना की घोर विरोधी थी। इसके बाद कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों ने जातिगत जनगणना की माँग करते हुए अनेक आंदोलन किए और देश में माहौल बना दिया। भाजपा को किसी भी परिस्थिति को अपने पक्ष में कर लेने में महारथ हासिल है। यह काबिलियत देश में किसी भी दल के पास नहीं है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ प्रचारकों ने जातिगत जनगणना की जरूरत प्रतिपादित करते हुए अपनी बात कही। यहीं से माहौल बदला और 30 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने आगामी जनगणना के साथ ही जातिगत जनगणना कराने का भी फैसला किया। अब आजादी के बाद पहली बार सरकार देशभर में घर-घर जाकर लोगों की जाति पूछेगी और रिकॉर्ड में दर्ज करेगी। हाल ही के कुछ पिछले वर्षों में देश में तीन राज्यों बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना की राज्य सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में जातीय सर्वे करवा लिया। इससे देशभर में सियासी बवंडर बढ़ा। बिहार में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की आबादी 63 प्रतिशत से भी अधिक निकली। इन आंकड़ों ने देशभर में सभी दलों को सियासी नजरिए को बदलने के लिए बाध्य होना पड़ा। देश में हाल फिलहाल अनुसूचित जाति (एससी) को 15 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 7.5 प्रतिशत आरक्षण मिला है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसके साथ ही आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है। ये सब मिलाकर कुल आरक्षण 59.5 प्रतिशत होता है।

जब्त किए गए वाहन मुंबई जैसे शहर में सार्वजनिक स्थानों पर नहीं रखे जा सकते: उच्च न्यायालय

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो जुलाई के लिए निर्धारित करते हुए यातायात विभाग से कहा कि याचिका में जो मुद्दे उठाये गये हैं, उनके दीर्घकालिक समाधान के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में वह अदालत को बताए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि जगह की कमी से जूझ रही मुंबई में सड़कें अब लावारिस वाहनों के लिए कब्रिस्तान नहीं बन सकतीं। इसी के साथ, उच्च न्यायालय ने सभी थानों को स्पष्ट आदेश दिया कि वे ऐसे वाहनों के निपटान के लिए यातायात पुलिस के निदेर्शों का सख्ती से पालन करें।न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि ऐसे वाहनों को केवल डंपिंग यार्ड में डाल देना पर्याप्त नहीं होगा तथा इनके निपटान के लिए निरंतर कार्रवाई की जानी चाहिए। यह आदेश आठ मई को जारी किया गया।पीठ ने कहा, मुंबई जैसे शहर में, जहां सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर जगह की भारी कमी है एवं स्थान सीमित है, ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों को रखकर अतिक्रमण नहीं किया जा सकता।अदालत मैराथन मैक्सिमा को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने हाउसिंग सोसाइटी के गेट के बाहर निकटवर्ती थाने द्वारा जब्त किए गए वाहनों को रखे जाने से बाधा उत्पन्न होने के बारे में चिंता थी।यातायात विभाग के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने एक हलफनामे में कहा कि पिछले महीने शहर भर के सभी थानों को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें सलाह दी गई थी कि जब्त किए गए या लावारिस हालत में छोड़ दिए गए सभी वाहनों को डंपिंग यार्ड में ले जाया जाए।पीठ ने राज्य सरकार से कहा कि वह ऐसे वाहनों को रखने के लिए प्रत्येक नगर निगम वार्ड में सुविधाजनक स्थानों की पहचान करे।

सभी दलों के प्रतिनिधियों को दुनिया भर में भेजने की नौबत क्यों आई? आदित्य ठाकरे ने पहलगाम अटैक को लेकर सरकार से पूछे सवाल

विदेश मंत्री को बताना चाहिए कि क्यों ऐसी नौबत आई कि आज सभी दलों के प्रतिनिधियों को दुनिया भर में भेजना पड़ रहा है? कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि पहलगाम में आतंकवादी आए कैसे?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमारी भूमिका पहले दिन से ही स्पष्ट है... पहले दिन से विपक्ष के सारे दलों ने एक सुर में कहा था कि हम प्रधानमंत्री के साथ हैं क्योंकि हमें पाकिस्तान को दिखाना है कि हमारी ताकत क्या है और आतंक के खिलाफ हम लड़ते रहेंगे और एक साथ रहेंगे लेकिन कहीं न कहीं उन्होंने (भाजपा) राजनीति शुरू की है... राजनीति ना करते हुए सभी दलों को साथ रखना चाहिए। विदेश मंत्री को बताना चाहिए कि क्यों ऐसी नौबत आई कि आज सभी दलों के प्रतिनिधियों को दुनिया भर में भेजना पड़ रहा है? कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि पहलगाम में आतंकवादी आए कैसे?केंद्र ने रविवार को सात प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों के नामों की घोषणा की, जिनमें विभिन्न दलों के राजनीतिक नेता, सांसद और पूर्व मंत्री शामिल होंगे, जो ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में आतंकवाद से निपटने के भारत के संकल्प को सामने रखने के लिए विश्व की राजधानियों की यात्रा करेंगे। प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद (दोनों भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोई (द्रमुक) और सुप्रिया सुले (राकांपा-एसपी) कर रहे हैं। वे कुल 32 देशों तथा बेल्जियम के ब्रसेल्स में स्थित यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा करेंगे।विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हुए भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर सोमवार को एक संसदीय समिति को जानकारी दी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक में तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अपराजिता सारंगी एवं अरुण गोविल आदि ने भाग लिया।

फास्ट ट्रैक

मुंबईकरों को पड़ेगी छतरी की जरूरत, 21 से 23 मई तक मुंबई समेत पालघर, ठाणे, रायगड में बारिश का येलो अलर्ट

इस सप्ताह मुंबईकरों को छत्री की जरूरत पड़ने वाली है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अरब सागर में एक सिस्टम तैयार हो रहा है, जिसके चलते 21 से 23 मई तक अच्छी बारिश होने की संभावना है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

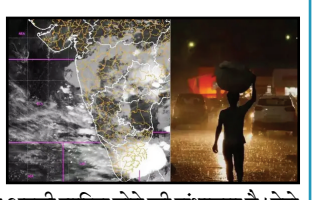

मुंबई: इस सप्ताह मुंबईकरों को छत्री की जरूरत पड़ने वाली है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अरब सागर में एक सिस्टम तैयार हो रहा है, जिसके चलते 21 से 23 मई तक अच्छी बारिश होने की संभावना है।ऐसे में इन तारीखों पर यदि आप कोई सिविल वर्क सोच रहे हैं तो अपने प्लान को थोड़ा टाल दें।इस बार मॉनसून के 5 से 7 जून के बीच मुंबई में दस्तक देने की संभावना जताई जा रही है।मुंबई सहित पालघर, ठाणे, रायगड में येलो अलर्टमौसम विशेषज्ञ राजेश कपाड़िया ने बताया कि कर्नाटक तट के पास अरब सागर में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है।इसके चलते 21 से 23 मई के बीच मुंबई में अच्छी बारिश होगी।एक दिन में 25 से 30 एमएम बारिश भी हो सकती है।मौसम विभाग ने 20 से 22 मई के बीच मुंबई सहित पालघर, ठाणे, रायगड में येलो अलर्ट जारी किया है।बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।मुंबई में उमस भरी गर्मी बरकरारभले मुंबई में अच्छी बारिश होने के समीकरण बने हुए हैं, लेकिन वर्तमान में उमसभरी गर्मी से कोई राहत नहीं मिल रही है। रविवार को मुंबई का अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।उमस का स्तर भी काफी हाय था।दिन और रात में उमस का स्तर 66% था।

भारत में फिर आया कोविड, मुंबई के केईएम अस्पताल में कैंसर और किडनी मरीजों की कोरोना से मौत, मचा हड़कंप

मुंबई के केईएम अस्पताल में कोविड पॉजिटिव दो मरीजों की मौत से चिंता बढ़ी, पर अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मौतें कैंसर और किडनी की बीमारी से हुईं। बीएमसी ने लोगों से न घबराने की अपील की है, क्योंकि कोविड के मामलों में मामूली वृद्धि हुई है, पर लक्षण गंभीर नहीं हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : कोविड के बढ़ते मामलों के बीच केईएम अस्पताल से दो लोगों की मौत की खबर आई।इन दोनों ही मरीजों की कोविड रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एक मरीज की मौत कैंसर और दूसरे की किडनी की गंभीर बीमारी के कारण हुई है। डॉक्टर और बीएमसी अधिकारियों ने एहतियात बरतने को कहा है और अपील की है कि लोग घबराएं नहीं।मुंबई में भी कोविड के मामलों में थोड़ी वृद्धि हुई है। बीएमसी के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, आमतौर पर महीने में 8 से 9 मामले देखने को मिल रहे हैं, लेकिन मौसम में हुए बदलाव के कारण ये थोड़े बढ़े हैं।अस्पताल ने कोविड प्रोटोकॉल से करवाया दाह संस्कारकेईएम अस्पताल में परेल निवासी 59 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला कैंसर से पीड़ित थी, अस्पताल ने परिवार को शव देने से इनकार कर दिया। परिवार ने पूर्व नगरसेवक अनिल कोकिल से संपर्क किया। अनिल कोकिल ने बताया कि महिला कैंसर से ग्रसित थी, लेकिन कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट आई।ऐसे में अस्पताल ने प्रोटोकॉल के तहत परिवार को शव नहीं दिया।इस संबंध में अस्पताल प्रशासन से बात होने के बाद प्रोटोकॉल के तहत केवल परिवार के दो सदस्यों के साथ भोइवाडा श्मशान में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। डेथ सर्टिफिकेट में कारण कोविड नहीमृतक के डेथ सर्टिफिकेट में मौत का कारण कोविड नहीं दिया गया है, लेकिन सवाल यह उठता है कि फिर कोविड टेस्ट क्यों किया गया? दूसरे मामले में एक 14 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जो किडनी के गंभीर रोग से जूझ रही थी। इस बच्ची की भी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. मोहन देसाई ने बताया कि दोनों मरीजों की मौत का कारण अन्य गंभीर बीमारियां थीं।

भायंदर और मीरा रोड स्टेशनों का निरीक्षण कर नरेश म्हस्के ने दिया निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भायंदर। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने आज रेल यात्रियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में भायंदर और मीरा रोड स्टेशनों का निरीक्षण किया।एक तरफ जहां उन्होंने अधूरे और अव्यवस्थित कार्यों के लिए रेल अधिकारियों को डांट लगाई वहीं अच्छे काम के लिए मीरा रोड के स्टेशन मास्टर का सम्मान भी किया। इस अवसर पर उनके साथ शिवसेना 145 विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, जिला प्रमुख राजु भोईर, उत्तर भारतीय जिलाध्यक्ष विद्याशंकर चतुर्वेदी , राजस्थान विभाग के जिलाध्यक्ष कपिल परमार , उप जिलाप्रमुख रामभुवन शर्मा, ब्रिसेन सिंह शिवा, रेल प्रवासी संघ के अध्यक्ष कमलेश शाह, उप शहर प्रमुख उबैद शेख, उप शहर प्रमुख संकेत पाटिल, शाखा प्रमुख महेश शिंदे व अन्य नागरिकों के साथ साथ रेल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।सांसद नरेश म्हस्के ने सबसे पहले भायंदर स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने लंबी दूरी की गाड़ियों के ठहराव को लेकर बढ़ाए जा रहे प्लेटफार्मों की लंबाई का निरीक्षण कर काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह द्वारा राजस्थान जाने वाली गाड़ियों तथा जौनपुर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को भायंदर स्टेशन पर ठहराव को लेकर की गई मांग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस दिशा में सकारात्मक काम चल रहा है। एस्केलेटर तथा लिफ्ट की समस्या को 10 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। रेल यात्रियों के लिए बने टॉयलेट की गंदगी को देख बेहद नाराज हुए नरेश म्हस्के ने डीआरएम पंकज सिंह तक को खरी खोटी सुनाई। भायंदर स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद वे लोकल ट्रेन द्वारा मीरा रोड स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। यहां के टॉयलेट को साफ देखकर उन्होंने स्टेशन मास्टर नरेश प्रसाद का सम्मान भी किया। म्हस्के ने कहा कि रेल यात्रियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में वे पिछले 3 महीने से लगातार वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों को गति देने का निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मीरा भायंदर के रेल यात्रियों की समस्याओं का तत्काल निराकरण होना चाहिए। उन्हें किसी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।

पाकिस्तान से मैच खेलना गलत....महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण का बीसीसीआई के ऊपर बड़ा हमला

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर और फिर सीजफायर के बाद कांग्रेस संसद सत्र बुलाने की मांग कर रही है। सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने केंद्र सरकार की नीतियों और हालिया फैसलों पर कई सवाल उठाए। वे भारत पाकिस्तान के खेल संबंधों पर भी बोले।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः पहलगाम आतंकी हमले और फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष को लेकर राजनीतिक गरमाई हुई है।सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने पूछा है कि बीसीसीआई सरकार से बड़ा नहीं है, अगर पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन कर रहा है तो ऐसे देश के साथ मैच खेलने का फैसला गलत है।पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि देश ने युद्ध के दौरान भी पारदर्शिता बनाए रखी है।1965 में नेहरू, 1971 में इंदिरा गांधी और कारगिल युद्ध के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी नियमित रूप से संसद को जानकारी देते थे।

तीन साल में 3 बार लड़ा चुनाव

चव्हाण ने कहा कि आज प्रधानमंत्री न तो जनता के सामने आते हैं, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं और न ही संसद का सत्र बुलाते हैं।पीओके को लेकर भारत सरकार की स्पष्ट नीति होनी चाहिए, लेकिन वह नजर नहीं आ रही है।पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने आगे बोलते हुए कहा कि यद्यपि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के लाभ दिखाए जा रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश संसदीय प्रणाली में लोकसभा या विधानसभा कभी भी भंग की जा सकती है।उन्होंने कहाकि मैंने खुद तीन साल में तीन बार, 1996, 1998 और 1999 में लोकसभा चुनाव लड़ा है। इसका मतलब यह है कि लोकसभा कभी भी भंग हो सकती है और फिर बचे हुए कार्यकाल के लिए अलग से चुनाव कराने होंगे।

एक घंटे में हटा कसते थे पीएम

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के बारे में बात करते हुए पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अगर पीएम मोदी की इच्छा होती तो वह एक घंटे के भीतर विजय शाह को मंत्री पद से हटा सकते थे, लेकिन मोदी ऐसा करते नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपने मंत्रियों में आदिवासी वोट बैंक नजर आ रहा है।लेकिन विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी को बहुत गलत जवाब दिया है।यह अत्यंत निंदनीय है कि इस मामले में न्यायालय की कड़ी आलोचना के बावजूद भी इस मंत्री का समर्थन किया जा रहा है।

मुंबई नरीमन प्वाइंट पर आग का धुआं उठने से मचा हड़कंप, महाराष्ट्र असेंबली टला हड़ा हादसा-वीडियो

मुंबई के नरीमन प्वाइंट पर स्थित महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में अचानक धुआं उठने से हड़कंप मच गया। वीआईपी एरिया में शामिल इस इलाके में आग लगने पर तुंरत दमकल को बुलाया गया। गनीमत रही कि असेंबली के चेकिंग एरिया की आग दूर तक नहीं फैली। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित महाराष्ट्र विधानसभा में सोमवार दोपहर सुरक्षा स्कैनिंग मशीन में आग लग गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस कारण कुछदेर के लिए अफरा-तफरी मच गई, लेकिन फायर ब्रिगेड ने इसे तुरंत आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार, विधान भवन परिसर के ग्राउंड फ्लोर के एंट्री चेकिंग रूम में आग लगी, जिससे बिजली के तार, इंस्टॉलेशन और स्विचबोर्ड प्रभावित हुए। गनीमत यह रही कि आग स्कैनिंग एरिया तक सीमित रही, जिससे इमारत को कोई खास नुकसान नहीं हुआ। आग लगने की सूचना सबसे पहले दोपहर 3:00 बजे मिली। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने 3:06 बजे तक इस पर काबू पा लिया। इमारत से धुआं निकलने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गईं, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई।टल गया बड़ हादसाअधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया कि आग मामूली थी और विधानसभा के अन्य हिस्सों में नहीं फैली। मुंबई फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए बताया आग केवल बिजली के हिस्से तक ही सीमित थी और आगे नहीं बढ़ी। कोई हताहत नहीं हुआ है और स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। घटना के बाद, अधिकारियों ने शॉर्ट सर्किट के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस में छाई गजब की खामोशी, मुंबई अध्यक्ष अपने लोकसभा क्षेत्र का जिला अध्यक्ष नहीं बना सकी

बीएमसी नगरसेवकों के चुनावों को लेकर मुंबई में सरगर्मी बढ़ गई है, परंतु कांग्रेस में गजब की खामोशी छाई है। ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस नेताओं ने लड़ने से पहले ही हथियार डाल दिया हो। आज मुंबई कांग्रेस में कई सारे महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः बीएमसी नगरसेवकों के चुनावों को लेकर मुंबई में सरगर्मी बढ़ गई है, परंतु कांग्रेस में गजब की खामोशी छाई है। ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस नेताओं ने लड़ने से पहले ही हथियार डाल दिया हो। आज मुंबई कांग्रेस में कई सारे महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं। उसे भरने की पार्टी में कोई चर्चा तक नहीं है। कार्यकताओं और पदाधिकारियों में भी चुनाव को लेकर कोई उत्साह ही नहीं है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पार्टी में सक्रिय लोगों को पूरी तरह से साइड कर दिया गया। पार्टी की बैठक ही नहीं हो रही है, फिर चर्चा कैसे होगी। ऐसा लगता है जैसे मुंबई में कांग्रेस पार्टी को कोई दूसरी ही पार्टी चला रही है। जो नेता कभी मुंबई कांग्रेस की शान हुआ करते थे। उन सभी ने राजीव गांधी भवन में आना ही छोड़ दिया है। राजीव गांधी भवन खंडहर में बदलता जा रहा है। निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ीसुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को वार्ड का परिसीमन करने का आदेश दिया है। चुनाव की तैयारियों को लेकर महायुति के घटक दल बीजेपी, शिंदे सेना और अजित पवार की एनसीपी ने तैयारी शुरू कर दी है। पदों पर नई नियुक्तियां की जा रही है।

मध्य रेल

डेमू रेक में मरम्मत कार्य हेतु कार्य अनुबंध

निविदा सूचना क्र. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/302/25-26/03

कार्य का विवरण: डेमू रेक में मरम्मत कार्य हेतु कार्य अनुबंध, जिसमें शामिल हैं: शौचालय की मरम्मत, ओवरहेड वाटर टैंकों को खोलना / अलग करना, ओवरहॉलिंग, लीकेज परीक्षण एवं फिटिंग, तथा बायो-डाइजेस्टर टैंकों को कोचों से हटाना, सफाई करना, मरम्मत करना, पुनः स्थापित करना और अपशिष्ट प्रबंधन । इसके अतिरिक्त, डेमू रेक के कोचों में पेंटिंग कार्य और 3-सीटर एवं 2 सीटर बैकरेस्ट की गद्दियों को खोलना/अलग करना, पुनः गद्दीकरण करना, पुराने अपहोल्स्ट्री फैब्रिक को नए से बदलना और उसे कोचों में फिट करना। **अनुमानित लागत:**. Rs.4858093.56 **ईएमडी:** Rs.97200 **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** NIL **समापन अवधी:** 12 महीना **निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधी:** 09/06/2025, 14:00 **बजे तक बोली शुरू करने की तारीख:** 26/05/2025 टेंडर केवल ई टेंडरिंग में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है।

सहायक मंडल विद्युत अभियंता 107

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

वरि. डीईएन (सेंट्रल) मुंबई सेंट्रल द्वारा निम्नलिखित निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. **अ.क्र. : 1. ई-निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/54 दि. 15.05.2025. कार्य एवं स्थान** : 2 वर्षों के लिए एडीईएन/सूरत के क्षेत्राधिकार अंतर्गत **(i)** सूरत – सिक लाइन शेड, फ्लोरिंग और सम्बद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर का सुधार. **(ii)** जोरावासन – सूरत : ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और देखभाल कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 4,72,82,801.75. **ईएमडी** : रु. 3,86,400/-. **अ.क्र. : 2. ई-निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/55, दि. 15.05.2025. कार्य एवं स्थान** : एडीईएन-व्यारा अनुभाग अंतर्गत (i) उधना – उकाई सोनगढ – सीटीआर (एस-पी) – 8.969 टीकेएम (एस एवं टी भाग सहित संयुक्त निविदा). (ii) उधना – उकाई सोनगढ अनुभाग – उकाई सोनगढ यार्ड कटिंग (किमी. 74/21-23) तथा एलसी नं. 6, 38, 39, 40, 44, 50, 52, 54, 56 पर विभिन्न स्थान आरयूबी पर मानसून का पानी निकालने के लिए स्लज डीजल पम्प्स प्रदान करना. एडीईएन-सूरत अनुभाग अंतर्गत (iii) जोरावासन – सूरत अनुभाग – ब्रि. क्र. 365 और 398 तथा एलसी क्र. 116, 120, 121, 122, 127, 131, 132, 134, 136 इत्यादि पर विभिन्न स्थान आरयूबी पर मानसून के पानी को निकालने के लिए स्लज डीजल पम्प्स प्रदान करना. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 4,64,28,759.12. **ईएमडी** : रु. 3,82,200/-. **उपरोक्त दोनों निविदाओं की निविदा जमा करने की तिथि एवं समय** : 13.06.2025 को 15.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय** : 13.06.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0158

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विद्युत (पॉवर) कार्य

वरि. डीईई/पी/मुंबई सेंट्रल, मुंबई द्वारा **ई-निविदा क्र. : ईएल-81-908-डब्ल्यूए-10, दि. 14.05.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान** : नरदाना यार्ड रिमॉडलिंग – धुले-नरदाना नई लाइन प्रोजेक्ट के संबंध में विद्युत (पॉवर) कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 83,58,895/-. **बोली सुरक्षा का मूल्य ईएमडी** : रु. 1,67,200/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 20.06.2025, 15.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय** : 20.06.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0160

Like us on : facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

विद्युत विभाग

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट बेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.:** सोला/क. वि./नि/2024/12आर2 **कार्य का नाम:** सोलापुर डिविजन में सुरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर स्थित लिनिंग मास्त को अटेंड करने के लिए ओएचई संरचना का प्रतिस्थापना। (पुनर्निविदा) **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,34,68,737.21 **बयाना राशि:** रु. 2,67,400/- **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 18/06/2025 को 15.00 बजे।

व.मं.वि.इं., सोलापुर 48

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

विद्युत विभाग

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट बेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.:** सोला/क. वि./नि/2024/07आर4 **कार्य का नाम:** लातूर टर्मिनस का विकास, वाशिंग कम पिट लाइन और स्टेबलिंग लाइन का निर्माण के संबंध में विद्युत टीआरडी का कार्य। (पुनर्निविदा) **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 56,61.906.01/- **बयाना राशि:** रु.1,13,200/- **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 16/06/2025 को 15.00 बजे।

व.मं.वि.इं., सोलापुर 46

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

ऑनलाइन गेम ने बनाया कर्जदार, सब हुआ तबाह तो आत्महत्या की कोशिश, हिला देगी मुंबई की इस गेम एडिक्टेड की कहानी

मुंबई की श्वेता ऑनलाइन कैसीनो गेमिंग की लत में फंसकर कर्ज में डूब गई और आत्महत्या का प्रयास किया। अब वह इस खतरे के बारे में जागरूकता फैला रही हैं, खासकर युवाओं को। विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में गेमिंग और जुए की लत बढ़ रही है। सख्त नियमों की आवश्यकता है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : एक युवती के लिए फोन पर वर्चुअल गेम पर बेट लगाना एक बुरे सपने में बदल गया। वर्किंग श्वेता (बदला हुआ नाम) ऑनलाइन कैसीनो गेमिंग की लत में फंस गईं। इस लत के कारण उन पर इतना कर्ज हो गया कि उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की। अब, उस बुरे दौर से उबरने के बाद, वह इस खतरे के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहती हैं। वह उन लोगों की मदद करना चाहती हैं जो इसी तरह की परेशानी से जूझ रहे हैं।उत्सुकता में बनाया अकाउंटपिछले साल श्वेता ने ऑनलाइन कैसीनो गेम खेलना शुरू किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक विज्ञापन देखा। यह विज्ञापन एक ऐसे प्लेटफॉर्म का था जहां स्पोर्ट्स बेटिंग, स्लॉट और डीलर गेम खेले जा सकते थे। यह खास तौर पर भारतीय खिलाड़ियों के लिए बनाया गया था। श्वेता ने उत्सुकता से वेबसाइट देखी और अपना अकाउंट बनाया। उन्होंने अपने डिजिटल वॉलेट को इससे जोड़ दिया।

शुरू में 5 हजार से कमाए 2 लाखश्वेता ने बताया, 'मैं वर्क फ्रॉम होम पर थी। इसलिए, मैं काम के बाद या रात में ऑनलाइन गेम खेलती थी।' शुरूआत में, उनकी किस्मत अच्छी थी और उन्होंने कुछ गेम जीते। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने सिर्फ 5,000 रुपये लगाए थे और 2 लाख रुपये तक जीते थे। यह बहुत अच्छा लग रहा था। मैं अपने माता-पिता के लिए गिफ्ट खरीद सकती थी।' शुरूआती सफलता से उत्साहित होकर, श्वेता ने बड़ी रकम लगानी शुरू कर दी।कर्ज लेकर गेम में लगाई रकमऑनलाइन प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों को अकाउंट में पैसे डालने पर बोनस देता था। श्वेता के माता-पिता ने अचानक इतने पैसे आने के बारे में पूछा। तो उन्होंने कहा कि वह शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर रही हैं। जल्द ही उनकी किस्मत बदल गई और उनकी जीत का सिलसिला खत्म हो गया। श्वेता ने कहा, 'मैं खेलती रही, क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं जल्द ही बड़ी जीत हासिल कर लूंगी।' उन्होंने 7 लाख रुपये का पर्सनल लोन लिया। उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी स्थिति सुधर जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरी सारी बचत खत्म हो रही थी। मैंने दोस्तों से पैसे उधार लेना शुरू कर दिया। उनसे झूठ बोलती थी कि मुझे पैसों की क्यों जरूरत है।'

पिता ने चुकाया कर्ज

खालिस्तानी आतंकी ने मीडियाकर्मी को दी धमकी

बुलंदशहर में 25 करोड़ की रंगदारी मांगी, मीडिया क्लब ने सीएम से सुरक्षा मांगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बुलंदशहर, वरिष्ठ पत्रकार शैलेंद्र शर्मा को खालिस्तानी आतंकवादी से धमकी मिली है। आतंकवादी ने 25 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की है। रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। प्रेस मीडिया क्लब बुलंदशहर ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। क्लब ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजा है। जिला अधिकारी को सौंपे ज्ञापन में पत्रकार और उनके परिवार की सुरक्षा की मांग की गई है। मीडिया क्लब के अनुसार, धमकी देने वाला कुलवीर सिंह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के वांटेड अपराधियों की सूची में है। इस आतंकवादी पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। कुलवीर सिंह विदेश से भारत में आतंकी नेटवर्क चलाने का आरोपी है। व्यवसायिक घराने से जुड़े शैलेंद्र शर्मा की जान को खतरा है। मीडिया क्लब ने सरकार से रंगदारी की धमकी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई में मनपा ने वसूला 1 लाख 5 हजार जुर्माना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , प्लास्टिक मुक्त नवी मुंबई के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबंधात्मक प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई में 1 मई से 19 मई तक 21 दुकानों, प्रतिष्ठानों से 1 लाख 5 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया तथा 103 किलो 400 ग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई।मनपा आयुक्त डॉ कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में सोमनाथ पोटरे के नियंत्रण में जोन 1 के उड़न दस्ते ने छह दुकान प्रतिष्ठानों से 30 हजार जुमार्ना वसूला और 58 किलोग्राम निवारक प्लास्टिक सामग्री जब्त की।इसी तरह जोन 2 के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ के नियंत्रण में उड़न दस्ते ने 15 दुकानों, प्रतिष्ठानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक पाए जाने पर 75 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला और 45 किलो 400 ग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक का स्टॉक जब्त किया है। जोन 2 के उड़नदस्ते द्वारा उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में सेक्टर 12 में निरीक्षण अभियान चलाया गया। कोपर खैरणे क्षेत्र में 1000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जय गोगा मार्ट से प्लास्टिक बैग का उपयोग करने पर 5,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया तथा 1 किलो प्लास्टिक बैग जब्त किए गए। नवी मुंबईवासियों की सक्रिय भागीदारी से नवी मुंबई को प्लास्टिक मुक्त बनाने की उम्मीद है और नवी मुंबई के नागरिकों से प्लास्टिक बैग का उपयोग पूरी तरह से बंद करने व कागज और कपड़े के बैग का उपयोग करने की अपील की जा रही है।

ठाणे मनपा के अतिक्रमण विभाग किस्त वसूलने का मजबूत तंत्र : डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा का अतिक्रमण विभाग किश्त वसूली का एक शक्तिशाली तंत्र है।विधायक डॉ जितेंद्र अव्हाड ने इस आशय का आरोप लगाते हुए सत्ताधारी दलों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि अगर आप अतिक्रमण विभाग में स्थानांतरण कराना चाहते हैं तो आपको 5 करोड़ रुपये देने होंगे। उन्होंने कहा कि ठाणे मनपा के शासकों की भी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास अपना डंपिंग ग्राउंड नहीं है, कोई बांध नहीं है, कोई सीवेज सिस्टम नहीं है, क्लस्टर योजना आगे नहीं बढ़ी है। नेतृत्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है जिनके पास विकास के लिए कोई दूरदृष्टि नहीं है। सोमवार को विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने सार्वजनिक मंच पर आकर ठाणे मनपा और उसके शासकों की कड़ी आलोचना की है। जिला अध्यक्ष सुहास देसाई, पूर्व विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान शानू और कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल की अवधारणा

के आधार पर जन सुनवाई योजना क्रियान्वित किया गया। डॉ आव्हाड ने कहा कि ठाणे के नागरिक काफी परेशान हैं और मनपा तथा कुछ लोग मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। जबकि मानपाड़ा क्षेत्र के 80 लोग क्लस्टर का विरोध कर रहे हैं, क्लस्टर योजना को इन नागरिकों पर जबरन थोपा जा रहा है।जिनके पास बड़े घर हैं वे क्लस्टर योजना में क्यों शामिल होंगे? अब तक कितनी क्लस्टर योजनाएं सफल रही हैं? इस समय डॉ आव्हाड ने ऐसे प्रश्न उठाए। किसी डेवलपर को सात एकड़ जमीन देकर उसे विकसित करने के लिए कहा जाना चाहिए। डेवलपर किस प्रकार का विकास करेगा? ठाणे में सभी एसआरए योजनाएं बंद हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि एसआरए योजना को जबरदस्ती क्लस्टर में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।पिछले 45 वर्षों में ठाणे के लोगों के लिए कोई बांध नहीं बनाया जा सका। मैं स्वयं ही योजना लाया था। वे ऐसा क्यों नहीं कर सके? आव्हाड ने सवाल उठाया, ₹अगर 2,000 करोड़ रुपये की सड़कें बनाई जा रही हैं, तो जलाशय क्यों नहीं बनाया जा सकता ?₹ ठाणे निवासियों के लिए पानी नहीं है, ओसी देते समय डेवलपर को कहा जाता है कि नागरिकों को पानी उपलब्ध कराना आपकी जिम्मेदारी है, इसलिए यदि डेवलपर पानी उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं है, तो उसे ओसी क्यों दिया जाता है? डॉ आव्हाड ने जनता दरबार के माध्यम से यह भी मांग की कि अब से सभी नए निमार्णों को ओसी देने पर रोक लगाई जाए।हर गली कूड़े से अटी पड़ी है, पानी नहीं है, पूरे शहर की नालियों की सफाई नहीं होती, हर तालाब में सीवेज बहाया जाता है, तो सीवेज निपटान का पैसा कहां गया? डॉ आव्हाड ने आलोचना करते हुए कहा कि पिछले 45 वर्षों में पानी और सीवरेज की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है, तथा हमारी नगरपालिका को एक धनी नगरपालिका के रूप में चित्रित किया जाता है।इस समय पूर्व नगरसेवक राजेश खारकर, अरविंद मोरे, राजेश कदम, महासचिव राजेश जे साटम, रचना वैद्य, राजू चपले, राजू शिंदे, शिवा कालू सिंह, एकनाथ जाधव, राहुल भालेराव, समाधान साल्वे, माधुरी सोनार, पूजा उदासी, मेहरबानो पटेल, मल्लिका पिल्ले, रिंकू सिंह, कैलाश सुरकर, विशांत गायकवाड़, महेश भाग्यवंत, सुनील कुरहाड़े, इकबाल शेख, गणेश मुंडे, राहुल पाटिल, जयेश पाटिल, सुरेश सिंह, रत्नेश दुबे सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

ठाणे में भूमि हड़पने के मामले बढ़े

ठाणे में भूमि हड़पने की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं, और एक पिछड़े वर्ग की महिला के पक्ष में न्यायालय के फैसले के बावजूद, अहमद पठान नामक एक व्यक्ति ने जबरन उसकी भूमि पर कब्जा कर लिया है। डॉ आव्हाड ने चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस व्यवस्था उन्हें न्याय नहीं दे रही है, और अगर जनता दरबार में आई महिला को न्याय नहीं मिला तो हम अपने तरीके से नियंत्रण करेंगे।

फास्ट ट्रैक

अंबरनाथ में देशी पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूसों के साथ आरोपी गिरफ्तार।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ पश्चिम के वाघवाड़ी इलाके से रविवार 18 मई को अंबरनाथ पुलिस ने एक गंभीर आरोपी को देशी पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के गोपनीय दस्ते के सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र चव्हाण को उक्त आरोपी के विषय में गुप्त सूचना मिलने पर, तत्काल कार्यवाही करते हुए रविवार 18 मई की रात 12 बजे के आसपास पुलिस निरीक्षक (अपराध) किशोर शिंदे के मार्गदर्शन में ऑर्डनेंस फैक्ट्री के एफ क्वार्टर्स से वाघवाड़ी की ओर जाने वाली सड़क पर, उक्त आरोपी जेम्स फ्रांसिस आयु (48 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उसके पास से तलाशी में एक देशी पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूसों को जब्त किया गया। अंबरनाथ विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काले ने बताया कि पुलिस ने उक्त आरोपी जेम्स फ्रांसिस को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच से संबंधित कार्यवाही की जा रही है। इस मामले में अंबरनाथ पश्चिम पुलिस स्टेशन में भारतीय हथियार अधिनियम की धारा 3, 25, 35 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम 37(1), 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक मावले कर रहे हैं।

म्हाडा सोसायटियों को 20 वर्ष बाद लाखों रुपए पानी बिल और जुर्माना के नोटिस से हड़कंप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , शहर के शिवाई नगर, वर्तक नगर और महाराष्ट्र नगर के आम निवासियों को म्हाडा प्रशासन ने 20 साल बाद अचानक लाखों रुपए के पानी के बिल और जुमार्ने के नोटिस भेज दिए हैं। जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है।विधायक संजय केलकर ने तुरंत म्हाडा प्रशासन से संपर्क कर जवाब मांगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे मुख्यमंत्री से मिलकर समाधान निकालने का प्रयास करेंगे, फिलहाल कोई कार्रवाई न की जाए। ठाणे के शिवाई नगर, वर्तक नगर और महाराष्ट्र नगर में म्हाडा की चॉल और इमारतें हैं जो 40 से 50 साल पुरानी हैं। इन सोसायटियों को म्हाडा के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही थी। शुरूआत में इन सोसायटियों को नियमित रूप से पानी के बिल मिलते थे, लेकिन पिछले दो दशकों से प्रशासन की ओर से न तो बिल भेजे गए और न ही नोटिस भेजे गए। अब 20 से 22 साल बाद अचानक म्हाडा ने इन सोसायटियों को पानी बिल बकाया होने पर नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर बिल की राशि और जुमार्ना भरने को कहा है, अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवाई नगर क्षेत्र की कुछ सोसायटियों को एक से डेढ़ लाख रुपए जल शुल्क और 10 से 15 लाख रुपए जुमार्ने का नोटिस मिला है। वर्तकनगर क्षेत्र की कुछ सोसायटियों को दो से तीन लाख का पानी का बिल और 10 से 15 लाख का जुमार्ना भरने का नोटिस जारी किया गया है। महाराष्ट्र नगर में भी ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। इससे परेशान निवासियों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात कर न्याय की मांग की। उस समय केलकर ने तुरंत म्हाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फोन करके इस बारे में जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलेंगे और इस मामले में कोई रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे। तब तक म्हाडा सोसायटियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।म्हाडा कॉलोनियों में रहने वाले आम परिवार अचानक जारी नोटिसों से हतप्रभ रह गए हैं। हालांकि, विधायक संजय केलकर ने म्हाडा प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप किया है। ठाणे जिला गृह निर्माण महासंघ के अध्यक्ष सीताराम राणे ने बताया कि केलकर जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और इसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

नये भवन के माध्यम से जनोन्मुखी एवं कल्याणकारी कार्य किए जाएं : उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे, हम नागरिकों को अच्छी सेवा प्रदान करना चाहते हैं, तो हम सभी को एक विशाल प्रशासनिक कार्यालय की आवश्यकता है। हमें एक अच्छे, भव्य, दिव्य कार्यालय की आवश्यकता है, क्योंकि हम वहां से लोगों को सेवा प्रदान करना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज यहां कहा कि यह महज एक इमारत नहीं है, बल्कि इस इमारत में हम जो काम करेंगे, वह जनोन्मुख और कल्याणोन्मुख होगा। कल्याण शहर में नवीनतम एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के नए भवन का आज उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, विधायक विश्वनाथ भोईर, कुमार आयलानी, परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त भरत कालस्कर, ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, संयुक्त पुलिस आयुक्त संजय जाधव, पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे, ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल, कल्याण उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी आशुतोष बरकुल, परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित थे।उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आगे कहा कि आज कल्याण-डोंबिवली के इतिहास में एक स्वर्णिम और खुशी का दिन है। इस स्थान पर एक बड़ी इमारत खड़ी है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि यह परिवहन विभाग वास्तव में हमारे राज्य के हितों और विकास की रीढ़ है। आरटीओ विभाग राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण राजस्व सृजन विभाग है। इसीलिए प्रताप सरनाईक ने मंत्री बनने के बाद हर जगह का दौरा करना शुरू किया और यहां बदलाव देखने को मिला। यहां के हमारे कर्मचारियों, जिनमें एसटी ड्राइवर, कंडक्टर और यहां तक कि आरटीओ विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं, को सुविधाएं प्रदान करना राज्य सरकार का काम है और इसलिए हमें जो भी सहयोग चाहिए, हमें राज्य सरकार से पूरा सहयोग मिलेगा। हम अब हर काम स्मार्ट तरीके से कर रहे हैं, नई टेक्नोलॉजी है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसके जरिए लाइसेंस जारी करने का काम पहले जैसा नहीं है, लेकिन अब आप लाइसेंस जारी करते समय उसमें नई टेक्नोलॉजी भी ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे आज होने वाली दुर्घटनाओं पर वास्तव में रोक लगेगी। उन्होंने आगे कहा कि नासिक में एक दुर्घटना में 25 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उस समय राज्य में सभी ब्लैक स्पॉट को हटाने के निर्देश दिए गए थे और आपके विभाग ने इस पर भी बहुत अच्छा काम किया है और इसके कारण अब दुर्घटनाओं में यह संख्या भी कम हो गई है।

पेयजल समस्या पर जिलाधिकारी सख्त

कार्यदाई संस्थाओं को चेतावनी, शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारी

मिर्जापुर, गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अधिकारी, खंड विकास अधिकारी और पटेहरा, हलिया, लालगंज, राजगढ़ पहाड़ी के ग्राम प्रधान मौजूद रहे। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने हर घर नल से जल योजना की समीक्षा की। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संवेदनशील क्षेत्रों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति करने को कहा। पटेहरा विकास खंड के लेरूकी परियोजना में पेयजल आपूर्ति न होने की शिकायतों पर कार्रवाई की गई। कार्यदाई संस्था एनसीसी और मेघा को कार्यशैली में सुधार की चेतावनी दी गई। जल निगम के अवर अभियंता को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मई और जून में पानी की किल्लत के दौरान लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। नागरिकों के लिए जल निगम का कंट्रोल रूम नंबर 9473941824 जारी किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट अंशुल, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल और नमामि गंगे के अपर जिलाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विंध्याचल धाम में बाहरी भिखारियों की समस्या

श्रद्धालुओं को परेशान कर जबरन मांग रहे भीख, स्थानीय लोगों में आक्रोश

मिर्जापुर, विंध्याचल धाम में श्रद्धालुओं को भिखारियों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास प्रोजेक्ट के तहत माता विंध्यवासिनी का धाम विकसित हो रहा है। लेकिन यहां भिक्षाटन की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। माता के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं का पीछा भिखारियों का समूह करता है। वे भीख मिलने तक पीछा नहीं छोड़ते।

सर्वोच्च न्यायालय ने अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत की प्रमुख भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है : न्यायमूर्ति अभय ओक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विद्या प्रसारक मंडल के टीएमसी लॉ कॉलेज के पचासवें बैच का स्नातक समारोह सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय ओक की प्रमुख उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर ठाणे जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ईश्वर सूर्यवंशी, महाराष्ट्र एवं गोवा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष गजानन चव्हाण एवं सुदीप पासबोला, तथा विद्या प्रसारक मंडल के अध्यक्ष डॉ. विजय बेडेकर एवं सचिव अभय मराठे मंच पर उपस्थित थे। समारोह के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय ओक ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि कानूनी पेशा आज विश्व में सबसे अधिक मांग वाला पेशा बन गया है और इस पेशे ने अनेक प्रकार के अवसर प्रदान किए हैं। अतीत में, कानून की डिग्री पूरी करने के बाद वकील बनना ही एकमात्र उपलब्ध पेशा था, लेकिन अब कानून की डिग्री पूरी करने के बाद छात्रों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। जैसे वकालत, न्यायपालिका में जज बनना जैसे प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला न्यायाधीश, कम्पनियों में विधिक अधिकारी के रूप में कार्य करना तथा विशेष प्रयोजनों के लिए बनाई गई अदालतों में कानून का अभ्यास करना, सरकारी वकील तथा विधि महाविद्यालयों में शिक्षक के रूप में कार्य करना आदि उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय ने अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत की प्रमुख भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है और आज तक हजारों न्यायिक निर्णयों का भारत की अनेक भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। इसके अलावा, पिछले 30 वर्षों से महाराष्ट्र में जिला न्यायालय तक मराठी में काम हो रहा है। अपने अनुभव साझा करते हुए न्यायमूर्ति ओक ने कानूनी पेशे में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल के बारे में भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज उपलब्ध उपकरणों ने कानून का अध्ययन करना, उस पर शोध करना, उसके अर्थ को समझना तथा कम समय में अनेक निर्णयों को समझना बहुत आसान बना दिया है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस टूल का उचित उपयोग करके तथा विधि का उचित अध्ययन करके अपने कानूनी पेशे में सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. श्रीविद्या जयकुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह का परिचय दिया। ठाणे जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अग्रवाल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास से ही कानूनी पेशे में आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने छात्रों को नियमित रूप से कानून की पढ़ाई जारी रखने तथा नए न्यायिक निर्णयों को पढ़ते रहने की सलाह दी, उन्हें किसी भी परिस्थिति में अपनी पढ़ाई जारी रखने की सलाह दी तथा उनके करियर की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाराष्ट्र एवं गोवा राज्य बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एड गजानन चव्हाण एवं एड सुदीप पासबोला ने आश्वासन दिया कि यदि विद्यार्थियों को कोई समस्या आती है तो बार एसोसिएशन उनकी मदद करेगी। संस्था के अध्यक्ष डॉ. विजय बेडेकर ने आशा व्यक्त की कि आम नागरिक के लिए कानून से संबंधित सभी पुस्तकें, जानकारी और न्यायिक निर्णय मराठी भाषा में उपलब्ध होना बहुत जरूरी है और इसके लिए विद्यार्थियों को आगे आकर कानून को मराठी भाषा में रूपांतरित कर आम नागरिक तक पहुंचाना चाहिए। इस अवसर पर विधि महाविद्यालय के 150 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा कामत ने किया तथा परिचय श्री विनोद वाघ, श्री यतिन पंडित और श्रीमती हेतल मिशेरी ने दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रूपाली जामोड़े ने दिया।

कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका चुनाव की रणनीति को लेकर महा विकास अघाड़ी और अन्य सहयोगी दलों की समीक्षा बैठक संपन्न

कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका का नगराध्यक्ष महाविकास आघाड़ी का ही चुनकर आयेगा- अविनाश देशमुख

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. सुप्रीम कोर्ट ने विगत 6 मई को महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर जारी करते हुए चार माह के अंदर चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने का आदेश दिया था, इसके साथ ही यह भी आदेश दिया था कि यह चुनाव ओबीसी आरक्षण की 2022 वाली पुरानी पद्धति पर ही होंगे। उक्त परिस्थितियों को देखते हुए कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका परिषद के चुनाव की रणनीति और रूपरेखा निर्माण के लिए महाविकास आघाड़ी और अन्य सहयोगी दलों के लोगों ने सोमवार 19 मई को प्रातः 11 बजे गुप्ते मस्कर हॉल में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सभी सहयोगी दलों के पदाधिकारियों को अपनी सक्रियता और अनिवार्य उपस्थिति दिखानी चाहिए और महाविकास अघाड़ी और मित्र पक्ष के हाथों को मजबूत करना चाहिए। उक्त बैठक के संयोजक राकांपा प्रदेश सचिव अविनाश देशमुख ने इस अवसर पर कहा कि आगामी कुलगांव बदलापुर नगरपालिका परिषद के चुनाव में महाविकास आघाड़ी अन्य सभी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाली पार्टियों को साथ लेकर चुनाव लड़ेगी और उन्होंने पूर्ण विश्वास के साथ जोर देकर कहा कि आगामी कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका का नगराध्यक्ष महाविकास आघाड़ी का ही चुनकर आयेगा। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट के प्रदेश सचिव अविनाश देशमुख, बदलापुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष संजय जाधव, यूबीटी के शहर अध्यक्ष किशोर पाटिल, कांग्रेस के प्रदेश सचिव हरि श्रृंद्र थोरात, असगर खान, दादासाहब पाटिल, दिलीप पवार, भरत कारंडे, दीपाली देशमुख, प्रिया गवली आदि लोगों के साथ काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उल्हासनगर में ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन और शहीद सैनिकों के सम्मान में शिवसेना ने निकाली तिरंगा रैली

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात भारत की ओर से पाकिस्तान स्थित दहशतगर्दों के ठिकानों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन,शहीद सैनिकों के सम्मान और पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में सोमवार को उल्हासनगर में यह बाइक रैली निकाली गई। इस रैली के जरिए शिवसेना ने शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और सीमा पर तैनात वीर जवानों के हौंसला अफजाई के लिए रैली निकाली गई विदित है कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान को गहरा सबक सिखाते हुए उसके कई आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया। भारतीय सेना के पराक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और साहसिक निर्णय के समर्थन में शिवसेना की यह बाइक रैली कैलाश कॉलोनी उल्हासनगर क्रमांक 5 से प्रारंभ होकर,सत्रह सेक्शन,शिवाजी चौक,नेहरू चौक, सिरू चौक,बिरला गेट से होते हुए नीलकंठेश्वर मंदिर पर समाप्त हुई।इस रैली में शामिल युवाओं ने पाकिस्तान के विरोध में और भारतीय सैनिकों के सम्मान में जोरदार नारेबाजी की। हाथों में तिरंगा और पोस्टर लिए देशभक्ति की भावना से भरे हुए इन शिवसेनकों ने अदभुत उत्साह और जोश दिखाया।तिरंगा बाइक रैली में शिव सेना उपजिला प्रमुख अरुण आशान,दिलीप गायकवाड,महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, शिव सेना शहर प्रमुख राजेंद्र सिंह भुल्लर (महाराज),रमेश चव्हाण, कल्याण लोकसभा सचिव तिरूपति रेड्डी, युवा सेना लोकसभा सचिव हरजिंदर सिंह भुल्लर, महिला नगर संगठक मनीषा भानुशाली, उत्तर भारतीय नगर संगठक के.डी.तिवारी, पूर्व नगरसेवक कलवंत सिंह सोहता, जयकुमार केनी, युवराज पाटिल, युवा सेना नगर पदाधिकारी सुशील पवार, उप नगर प्रमुख सुरेश सोनावणे,जीतू उपाध्याय,प्रमोद कुमार पांडे आदि के साथ अनेक पूर्व सैनिक, वरिष्ठ नागरिक, युवा एवं देशभक्त नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कटा होंठ होने पर नवजात बच्ची को गड्ढे में फेंका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, नगर निगम की निमार्णाधीन बिल्डिंग के पास एक गड्ढे में नवजात बच्ची मिली। चौक कोतवाली क्षेत्र में गर्रा नदी के पास काम कर रहे मजदूरों ने दो महिलाओं को एक झोले में बच्ची को गड्ढे में फेंकते देखा। मजदूरों के चिल्लाने पर महिलाएं भाग गईं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्ची को राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। बच्ची का एक होंठ कटा हुआ है। सूत्रों के अनुसार बच्ची का जन्म दो दिन पहले एक अस्पताल में हुआ था। निमार्णाधीन बिल्डिंग में काम करने वाले मजदूर ने बताया कि हम लोग काम कर रहे थे। तभी कुछ देर पर जण गड्ढे के पास भीड़ लग गई थी। पास में जाकर देखा तो बच्ची पड़ी थी। लोगों ने देखा था कि दो महिलाएं उस बच्ची को गड्ढे में छुपा रही थीं। जैसे ही लोग पहुंचे तो वो भाग गईं। पुलिस बच्ची को लेकर अस्पताल चली गई। राजकीय मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि शुरूआत में बच्ची को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। अब उसकी स्थिति स्थिर है और वह खतरे से बाहर है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

पाक बोला- भारत के खिलाफ शाहीन मिसाइल इस्तेमाल नहीं की

इसे लेकर किए जा रहे दावे झूठे; ये मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन बनयानुन मार्सूस के दौरान शाहीन मिसाइल का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल के इस्तेमाल को लेकर भारतीय मीडिया की तरफ से किए जा रहे दावे झूठे और बेबुनियाद हैं। बात दें शाहीन मिसाइल परमाणु और पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम है। पाकिस्तान ने कहा कि बिना जांच के भड़काऊ और गलत खबरें फैलाना क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है और यह आधिकारिक संस्थानों की पेशेवर छवि को भी कमजोर करता है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना ने 12 मई 2025 को जारी अपने बयान में बताया था कि उसने भारतीय सेना के खिलाफ ऑपरेशन में फतह सीरीज (एफ1 और एफ2) की लंबी दूरी की मिसाइलों, लंबी दूरी के ड्रोन और तोपों का इस्तेमाल किया था। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद

शरीफ चौधरी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान, कभी भी भारत के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका या इजराइल नहीं है और पाकिस्तान, अफगानिस्तान या फिलिस्तीन नहीं है। तुर्किये की अनादोलु एजेंसी को दिए इंटरव्यू में सेना के प्रवक्ता ने दावा किया कि सीजफायर की अपील पहले भारत ने की थी, इसके बाद ही वे इसके लिए राजी हुए। प्रवक्ता चौधरी ने भारत को चेतावनी दी है कि अगर उसने पाकिस्तान की जल आपूर्ति रोकने की कोशिश की, तो भारत को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे जो दशकों तक महसूस किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मामले में बहुत स्पष्ट है और इस पर सेना को कुछ और कहने की जरूरत नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत का यह कहना कि वे पाकिस्तान के 24 करोड़ लोगों का पानी रोक सकता है एक पागलपन भरा विचार है। भारत के पास ऐसा करने की हिम्मत नहीं है। चौधरी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन अगर भारत ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया, तो पाकिस्तान तुरंत और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत दोनों परमाणु शक्तियां हैं और अगर कोई जंग शुरू होती है, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका जैसे देश अब भारत के इरादों को समझते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार आज 3 दिन के चीन दौरे पर रवाना हुए। वे चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-पाक संघर्ष और क्षेत्रीय हालात पर बातचीत करेंगे। इससे पहले डार ने शनिवार एक मीडिया चैनल से कहा कि दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम कायम है और तनाव कम करने की दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने कहा- एक रोडमैप तैयार है और हम उसे फॉलो कर रहे हैं। अगला कदम बातचीत है और हम इसके लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने शनिवार को गुजरांवाला छावनी का दौरा किया और पाकिस्तानी सैनिकों से मुलाकात कर उनकी तारीफ की। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक इस दौरान उनके साथ गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी थे। राष्ट्रपति का स्वागत सेना प्रमुख असीम मुनीर ने किया। शहबाज शरीफ ने शनिवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की।

एशिया में फिर बढ़ा कोरोना, सिंगापुर में 14 हजार केस

जेएन1 वैरिएंट के सबसे ज्यादा मरीज; चीन, हॉन्गकॉन्ग, थाइलैंड में अलर्ट

एजेंसी

सिंगापुर, एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28% का इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई

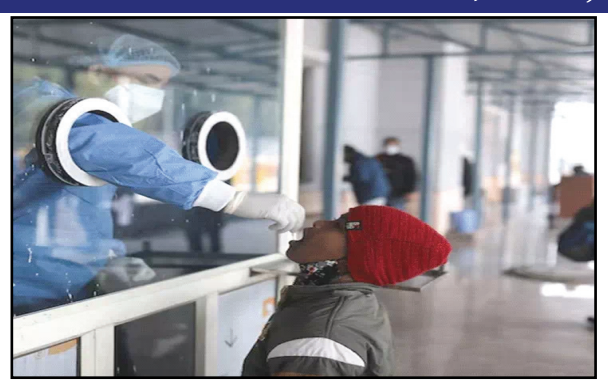

जानकारी नहीं दी गई है। इस बार संक्रमण के लिए ओमिक्रोन के नए वेरिएंट जेएन1 और उसके सब-वेरिएंट्स एलएफ7 और एनबी1.8 को जिम्मेदार माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि ये नए वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक या तेजी से फैलने वाले हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह लहर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अपना असर दिखा सकती है। चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोरोना वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों मे तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं। जेएन1, ओमिक्रॉन के बी०ए2.86 का एक स्ट्रेन है। जिसे अगस्त 2023 में पहली बार देखा गया था। दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित किया। इसमें करीब 30 म्यूटेशन्स हैं, जो इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं। अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार जेएन1 पहले के वैरिएंट्स की तुलना में ज्यादा आसानी से फैलता है, लेकिन यह बहुत गंभीर नहीं है।

यह दुनिया के कई हिस्सों में सबसे आम वेरिएंट बना हुआ है। कोविड-19 जेएन1 के लक्षण कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक कहीं भी रह सकते हैं। अगर आपके लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो हो सकता है कि आपको लॉन्ग-कोविड हो।

दुनियाभर की जेलों में बंद 23 हजार पाकिस्तानी

इन पर रेप, मर्डर और ड्रग तस्करी जैसे आरोप; पाक विदेश मंत्रालय ने संसद में बताया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के 23 हजार से ज्यादा नागरिक इस समय दुनिया के कई देशों की जेलों में बंद है। इन्हें रेप, मर्डर और ड्रग तस्करी जैसे गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया गया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी संसद में दी है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में प्रश्नकाल के दौरान इससे जुड़ा सवाल पूछा गया था, जिसका मंत्रालय ने लिखित जवाब दिया। अपने लिखित जबाव में मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के कुल 23456 पाकिस्तानी नागरिक विदेशों की जेल में बंद हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 12156 सऊदी अरब में कैद है। सऊदी के बाद दूसरे नंबर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) है, जहां 5292 पाकिस्तानी जेल की सजा काट रहे हैं। चीन की जेलों में भी 400 पाकिस्तानी बंद हैं। इनमें से ज्यादातर ड्रग तस्करी, बलात्कार, डकैती और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में दोषी पाए गए हैं। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बहरीन में बंद 450 पाकिस्तानी नागरिकों को ड्रग तस्करी, नशीले पदार्थों के कब्जे और धोखाधड़ी के आरोपों में सजा हुई है। वहीं अफगानिस्तान ने 88 पाकिस्तानी नागरिकों को ओवरस्टे और सुरक्षा से जुड़े अपराधों में दोषी ठहराया है।

इस्लामिक देशों में भी पाकिस्तानी नागरिकों का रिकॉर्ड खराब है। कतर में 338, ओमान में 309, मलेशिया ने 255 पाकिस्तानी अलग-अलग अपराधों में सजा काट रहे हैं। यूरोप के भी कई देशों में पाकिस्तानी अपराधियों की संख्या बढ़ती जा रही है। फ्रांस में 168 और जर्मनी में 94 पाकिस्तानी जेल में बंद हैं। ऑस्ट्रिया में भी पाकिस्तानियों को अवैध घुसपैठ, मानव और ड्रग तस्करी, हत्या और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में दोषी ठहराया गया है,

हालांकि संख्या नहीं बताई है नॉर्वे में 3, फिनलैंड में 2, कनाडा में 9 डेनमार्क में 27 पाकिस्तानी दोषी ठहराए गए हैं। साल 2022 में एक रिपोर्ट जारी हुई थी। इसमें बताया गया था कि इंग्लैंड के रॉदरहैम, कॉर्नवाल, डबीर्शायर, रोशडेल और ब्रिस्टल शहर में साल 1997 से 2013 के बीच कम से कम 1400 नाबालिग बच्चियां यौन शोषण की शिकार बनीं थीं। आरोपियों में सबसे ज्यादा पाकिस्तानी मूल के लोग थे ज्यादातर लड़कियों को एक संगठित गैंग ने बहला-फुसलाकर शिकार बनाया और उनकी तस्करी कर दी गई थी।

सबसे पहला मामला रॉदरहैम शहर का था। इसके बाद जांच करने पर उत्तरी इंग्लैंड के कई शहरों में इसी तरह के और भी मामले सामने आए।

पुर्तगाल में भारतीय दूतावास के बाहर पाकिस्तानियों का हंगामा

जवाब में एंबेसी ने ऑपरेशन सिंदूर का बैनर लगाया; लिखा- यह अभी खत्म नहीं हुआ

एजेंसी

लिस्बन, पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में रविवार को पाकिस्तानियों ने भारतीय दूतावास के सामने हंगामा किया। इसका जवाब देते हुए भारतीय अधिकारियों ने दूतावास के बाहर ऑपरेशन सिंदूर का बैनर लगा दिया। इस पर लिखा था- ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बैनर की तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा है कि पाकिस्तानियों के कायरतापूर्ण विरोध प्रदर्शन का

जवाब ऑपरेशन सिंदूर के बैनर के साथ दिया गया। हम दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुर्तगाल सरकार और उसके पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। इन तस्वीरों में भारतीय अधिकारी भी बैनर के साथ नजर आए। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। इस दौरान भारत ने 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हमला किया था। इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला किया, लेकिन भारत की मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग हर पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को बेअसर कर दिया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस की एस-400, बराक-8 मीडियम रेंज एसएएम सिस्टम और स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम को तैनात किया था। इसके अलावा पिकोरा, ओएसए-एके और एलएलएडी गन (लो-लेवल एयर डिफेंस गन) के जरिए भी पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमले नाकाम किए।

जश्न मनाना ठीक नहीं होगा...

राज ठाकरे के बेटे ने पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पत्र

एजेंसी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अमित ठाकरे ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर का जश्न मनाने के लिए भाजपा की तिरंगा यात्राओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब युद्ध खत्म नहीं हुआ है और अस्थायी युद्धविराम लागू है, तो विजय रैलियां आयोजित करना अनुचित है। हालांकि, राज्य मंत्री आशीष शेलार ने ठाकरे की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि रैलियां महज राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि भारतीय सैनिकों के साहस को श्रद्धांजलि हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में ठाकरे ने पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई सैन्य कार्रवाई के बाद जीत के माहौल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर कठोर लेकिन जरूरी फैसले देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और मैं इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं। हालांकि, ऐसे समय में चल रहे जश्न ने समाज में भावनात्मक भ्रम पैदा कर दिया है जब बहादुर सैनिकों ने अपनी जान कुर्बान की है। उन्होंने आगे कहा कि यह जीत का क्षण नहीं बल्कि युद्ध विराम का क्षण है।ठाकरे ने पत्र में कहा, युद्ध समाप्त नहीं हुआ है; एक अस्थायी युद्ध विराम लागू है। जब परिणाम अभी भी अनिश्चित है, तो विजय रैलियां आयोजित करना अनुचित है। नागरिकों को संयम बरतना चाहिए और इसके बजाय शहीदों को श्रद्धांजलि देनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर जवाबी हमले किए।मनसे नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री शेलार ने कहा, आज दुनिया भारत की तारीफ कर रही है। हम कूटनीति में भी अग्रणी हैं। इसलिए, हम दूसरों की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राएं योजना के अनुसार जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राएं योजना के अनुसार जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि रैलियां महज राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि भारतीय सैनिकों के साहस को श्रद्धांजलि हैं। शेलार ने कहा, लोग हमारे जवानों और पीएम मोदी के पीछे मजबूती से खड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में ठाकरे ने पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई सैन्य कार्रवाई के बाद जीत के माहौल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर कठोर लेकिन जरूरी फैसले देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और मैं इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं।

गलत साबित होने पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा

गौरव गोगोई की पाकिस्तान यात्रा वाले दावे पर बोले हिमंत बिस्व सरमा

सरमा की यह टिप्पणी तब आई है जब गोगोई अपने पहले के दावे का खंडन करने में विफल रहे कि कांग्रेस सांसद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ मिलकर काम किया था।

एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बारे में एक विस्फोटक बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर गोगोई की पाकिस्तान यात्रा के बारे में उनके दावों का कोई भी हिस्सा झूठा साबित होता है तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। सरमा की यह टिप्पणी तब आई है जब गोगोई अपने पहले के दावे का खंडन करने में विफल रहे कि कांग्रेस

सांसद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ मिलकर काम किया था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरमा ने गौरव गोगोई पर आईएसआई और पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के इशारे पर पाकिस्तान जाने का आरोप लगाया। सरमा ने आगे आरोप लगाया कि पाकिस्तान से लौटने पर गोगोई ने राफेल जेट की खरीद का विरोध किया, भारत की रक्षा तैनाती के बारे में जानकारी मांगी और संसद सहित देश के भीतर परमाणु हथियारों और उनके भंडारण के बारे में पूछताछ की। सरमा ने अपने पहले के दावों को दोहराते हुए कहा कि अगर मेरा एक भी शब्द गलत साबित हुआ, तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। कांग्रेस नेता पर अपना हमला तेज करते हुए उन्होंने सवाल किया, हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा द्वारा किया गया अपराध कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा किए गए अपराध की तुलना में कुछ भी नहीं है। अगर गोगोई ने जो किया उसे जासूसी नहीं माना जाता है, तो फिर क्या माना जाता है? इससे पहले रविवार की सुबह सरमा ने गंभीर आरोप लगाया था कि गोगोई की पाकिस्तान यात्रा महज कूटनीतिक यात्रा नहीं थी, बल्कि पाकिस्तानी सरकार से जुड़ी एक रणनीतिक चाल थी। उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत पाकिस्तान की आईएसआई और गृह मंत्रालय ने की थी। सरमा ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए इसे ₹बहुत गंभीर अपराध₹ बताया। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़े सबूत जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा।

दिल्ली मेयर के खिलाफ आप पार्षदों का प्रदर्शन, कार्यालय के बाहर दिया धरना

दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि यूजर चार्ज का विरोध करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि अगर उन्होंने ही यूजर चार्ज लागू किया है तो वे किसके खिलाफ विरोध कर रहे हैं? अब जब दिल्ली की जनता ने उन्हें नकार दिया है तो वे फिर से विरोध पर उतर आए हैं। वे सब झूठे हैं। हम दिल्ली की जनता पर किसी भी तरह का टैक्स नहीं लगाएंगे।

एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों ने सोमवार को दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय के बाहर धरना दिया और सदन के एजेंडे से यूजर चार्ज वापस लेने के प्रस्ताव को हटा दिए जाने का विरोध किया। पिछले महीने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के बाद, जब भाजपा सत्ता में आई और उसने अपना मेयर नियुक्त किया, तो पार्टी ने 25 अप्रैल को यूजर चार्ज वापस लेने का वादा किया। आप पार्षदों ने आरोप लगाया कि दिल्ली निवासियों के हित में यूजर चार्ज वापस लेने का प्रस्ताव भाजपा मेयर द्वारा इस महीने के सदन के सत्र के एजेंडे में शामिल नहीं किया गया।एमसीडी में विपक्ष के नेता अंकुश नारंग ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। एक बयान के अनुसार, पार्षद हाथों में तख्तियां लेकर मेयर के कार्यालय के बाहर बैठे और नारे लगाए। दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि यूजर चार्ज का विरोध करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि अगर उन्होंने ही यूजर चार्ज लागू किया है तो वे किसके खिलाफ विरोध कर रहे हैं? अब जब दिल्ली की जनता ने उन्हें नकार दिया है तो वे फिर से विरोध पर उतर आए हैं। वे सब झूठे हैं। हम दिल्ली की जनता पर किसी भी तरह का टैक्स नहीं लगाएंगे।

सिंधु जल संधि के निलंबन पर शिवराज ने की बड़ी बैठक

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने हम सभी को हिलाकर रख दिया है। निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। पूरा देश परेशान था और हर दिल में गुस्सा था। हम किसी को छेड़ते नहीं हैं। लेकिन ये भारत है, अगर कोई हमें छेड़ता है तो उसे हम छोड़ते भी नहीं हैं।

बोले- खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

एजेंसी

सिंधु जल संधि पर रोक के मुद्दे पर किसान संगठनों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने हम सभी को हिलाकर रख दिया है। निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। पूरा देश परेशान था और हर दिल में गुस्सा था। हम किसी को छेड़ते नहीं हैं। लेकिन ये भारत है, अगर कोई हमें छेड़ता है तो उसे हम छोड़ते भी नहीं हैं।शिवराज सिंह चौहान ने आगे

कहा कि प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। सशस्त्र बलों ने तय किया कि यह भारत है, हम सबको नहीं मारेंगे। आपने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कहते सुना होगा, 'जिन्हें मोहि मारा ते मैं मारे'। इसलिए, आतंकवादियों और उनके शिविरों को निशाना बनाया गया। सभी आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। हमने पाकिस्तान पर सीधा हमला नहीं किया, हमारी लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ थी लेकिन पाकिस्तान ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसकी शुरूआत पाकिस्तान ने की थी। उन्हें लगा कि तुर्की और चीन के ड्रोन और मिसाइलों से भारत डर जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है, मैं उनकी वीरता के आगे नतमस्तक हूं। उन्होंने उनके (पाकिस्तान के) ड्रोन और मिसाइलों को खिलौनों की तरह मार गिराया। पंजाब और दूसरे राज्यों के बच्चे उनके मलबे से खेल रहे हैं। पाकिस्तान ने तीन दिन में ही घुटने टेक दिए। लेकिन निर्णायक फैसले लिए गए। पीएम ने फैसला किया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया, सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया गया। यह कोई साधारण बात नहीं है।

संक्षेप

आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने मारा थप्पड़

राशन वितरण में गड़बड़ी का विरोध करने पर मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा राशन वितरण में की गई अनियमितता का मामला सामने आया है। स्थानीय महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री शहनाज बानो ने टेक होम राशन का गबन किया है। शिकायत के अनुसार, शहनाज बानो पिछले 3-4 महीनों से 6 वर्ष तक के बच्चों को मिलने वाला निःशुल्क राशन नहीं बांट रही थीं। उन्होंने फर्जी हस्ताक्षर करके रिकॉर्ड तैयार कर लिया। इस मामले की शिकायत महिला बाल विकास मंत्रालय के टोल फ्री नंबर पर की गई, जिसकी जांच चल रही है। जब कमला, भारती, हीना, प्रमिला, अमिता और अन्य महिलाएं राशन लेने गईं, तो आरोपी शहनाज बानो और उनके परिजनों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। महिलाओं का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें जातिसूचक गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित महिलाओं ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना ग्राम मलिकपुर, थाना कोतवाली देहात की है।

निजी स्कूलों में अनियमितताओं पर एबीवीपी सख्त

बांदा में डीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

बांद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने निजी स्कूलों में चल रही अनियमितताओं के खिलाफ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। एबीवीपी ने सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से जुड़े स्कूलों में शिक्षा के व्यवसायीकरण का मुद्दा उठाया है। संगठन ने प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई है। विभिन्न स्कूलों में अलग-अलग किताबें और पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्कूल के शिक्षक छात्रों को अपनी कोचिंग में पढ़ने के लिए दबाव बनाते हैं। छात्रों को कोचिंग न जाने पर फेल करने की धमकी दी जाती है। एबीवीपी ने फीस निर्धारण के मानकों पर सवाल उठाए हैं। किताबों की बिक्री चुनिंदा दुकानों तक सीमित की जा रही है। शिक्षा का अधिकार के तहत मुफ्त शिक्षा का प्रावधान लागू नहीं किया जा रहा है।

हाईवे पर रोडवेज बस कैंटर से टकराई

10 यात्री घायल, 5 हायर सेंटर रेफर; क्रेन से बस हटवाकर जाम खुलवाया

अमरोहा, गजरौला में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार रात करीब दो बजे एक बड़ा हादसा हुआ। नेपाल बॉर्डर के रुपेड़ा क्षेत्र से दिल्ली जा रही रोडवेज बस कैंटर से टकरा गई। गांव शहवाजपुर डोर के पास कैंटर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे बस अनियंत्रित होकर कैंटर में जा घुसी। हादसे में बस में सवार 10 से अधिक यात्री घायल हो गए।

खदेरी नदी के किनारे मिला युवक का शव

हत्या की आशंका, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम जांच में जुटी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, करेली थाने के करोलबाग क्षेत्र में खदेरी नदी के किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही करेली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया और उच्चाधिकारियों को सूचित किया। मृतक की पहचान 20 वर्षीय पुनीत प्रजापति के रूप में हुई है, जो अंबेडकर नगर जिले के आलापुर थाना क्षेत्र का निवासी था और बीते कुछ समय से करेली के करेला बाग क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा था।

पुलिस की तत्परता से मौके पर फील्ड यूनिट, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पहुंची और साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की पुष्टि डीसीपी सिटी जोन अभिषेक भारती ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है

और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी। इस बीच, मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य तकनीकी सुरागों की मदद से घटना की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज की टीम इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरी सतर्कता और पारदर्शिता के साथ जांच कर रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, और शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

कहरा गांव में स्वास्थ्य शिविर

200 मरीजों की जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीज ज्यादा मिले

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, उतरांव थाना क्षेत्र के कहरा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शकुंतला मल्टीस्पेशल्टी हॉस्पिटल के डॉ. एस.के. द्विवेदी और डॉ. बी.के. कुशवाहा ने अपनी टीम के साथ शिविर में सेवाएं दीं। शिविर में फतूहा, टिकरी, बरेठी, बिरगापुर, मंडौर, बलरामपुर, कहरां मुन्तजिपुर सहित कई गांवों से मरीज पहुंचे। जांच में ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों की संख्या अधिक पाई गई।

सभी मरीजों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। शिविर में आए डॉक्टरों ने मरीजों को बताया कि तेज विकट गर्मी का प्रकोप है इससे बचने के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा पानी पिए। धूप में न निकले ज्यादा तर घर में ही रहे। वहीं शिविर में सबसे ज्यादा मरीज वायरल फीवर सर्दी जुखाम खांसी गठिया रोगी मिले। डॉ. एस.के. द्विवेदी, डॉ. सुजीत और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता द्विवेदी ने बताया कि ऐसे निःशुल्क शिविर हर गांव में निरंतर लगाए जाएंगे। शिविर को सफल बनाने में पूर्व प्रधान मोहम्मद फारूक शाह, वीर सिंह, सुजीत सिंह टिंकल और पुष्पेंद्र कुमार डब्बू चौरसिया का विशेष सहयोग रहा।

जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू

- सप्ताह में दो दिन होगा अल्ट्रासाउंड, डॉ. आलोक तिवारी बने सोनोलॉजिस्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिला संयुक्त चिकित्सालय गौरीगंज में अल्ट्रासाउंड सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सोमेश्वर पुरी के चिकित्सीय अवकाश पर जाने के बाद यह सेवा बंद हो गई थी। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर अब डॉ. आलोक तिवारी को सोनोलॉजिस्ट के रूप में तैनात किया गया है। वे सप्ताह में दो दिन - सोमवार और बुधवार को अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रदान करेंगे। इससे प्रसूताओं और अन्य मरीजों को समय पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिल सकेगी। समय से उपस्थित रहने का निर्देश डॉ. तिवारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित दिनों पर समय से उपस्थित रहें। साथ ही सभी मरीजों का अल्ट्रासाउंड मानकों के अनुसार करें। अमेठी सीएचसी में मंगलवार और अन्य दिनों में भी अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध रहेगी। डीएम ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना प्रशासन की प्राथमिकता है। डॉ. तिवारी की नियुक्ति इसी दिशा में एक कदम है।

तुर्किए-अजरबेजान से व्यापार बहिष्कार का आह्वान

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री त्रिपाठी ने की अपील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने तुर्किए और अजरबेजान के साथ व्यापार बहिष्कार का आह्वान किया। त्रिपाठी ने कहा कि इन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन कर भारत विरोधी रुख अपनाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में तुर्किए के साथ 80,000 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यापार होता है। साथ ही अजरबेजान से 12,000 करोड़ रुपये का कच्चा तेल आयात किया जाता है। प्रदेश महामंत्री ने व्यापारियों से इन देशों के खिलाफ बाजारों में विरोध प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष राकेश शुक्ला ने त्रिपाठी का फूलमाला, अंगवस्त्र और चांदी की गणेश-लक्ष्मी प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। संगठन को मजबूत करने पर जोर बैठक में त्रिपाठी ने नगर अध्यक्ष को कार्यकारिणी के पुनर्गठन और संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया। राकेश शुक्ला ने त्रिपाठी को व्यापारियों का सच्चा हितैषी बताया।

कार्यक्रम में जगप्रसाद अग्रहरी, अमन अग्रहरि, योगेश खन्ना, रामअचल अग्रहरि, रामप्रवेश, हरिकेश शुक्ला, मनोज कुमार, रणजीत तिवारी और अशोक गुप्ता सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

- दुगार्पुर-अमेठी मार्ग पर कार से टकराई बाइक, सिर में गंभीर चोट लगने से गई जान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, उत्तर प्रदेश के अमेठी में दुगार्पुर-अमेठी मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नगरडीह के रहने वाले 26 वर्षीय मंगल कश्यप की मौत हो गई। बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे मंगल बाइक से घर लौट रहे थे। सिंगठी गांव के पास एक अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मंगल को पीआरवी और ग्रामीणों ने सीएचसी भादर पहुंचाया। वहां से उन्हें जिला अस्पताल सुल्तानपुर भेजा गया। बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया। रविवार दोपहर चार बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंगल ने हेलमेट नहीं पहना था। इस वजह से उनके सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भूजल संरक्षण की पहल

डीएम ने दिए नई इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भूगर्भ जल स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने कदम बढ़ाए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में भूजल संरक्षण, रिचार्ज और रेन वाटर हार्वेस्टिंग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने लघु सिंचाई विभाग को जिले का व्यापक सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। इससे कम भूजल स्तर वाले क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। इन क्षेत्रों में मनरेगा के तहत तालाब बनाए जाएंगे। वर्षा काल में इन तालाबों में जल संग्रह कर भूजल स्तर को संतुलित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने नई इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नई तकनीकों से जल संरक्षण के उपाय अपनाने को कहा। सहायक अभियंता ने बताया कि ग्राउंडवाटर डेवलपमेंट पोर्टल पर तीन श्रेणियों के आवेदन आते हैं। वर्तमान में कृषि के तीन, व्यावसायिक के तीन और ड्रिलिंग एजेंसी के दो आवेदन लंबित हैं। इनके लिए एनओसी जारी की जानी है। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता और जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह की दो सदस्यीय समिति बनाई है। यह समिति आवेदनों की जांच कर निर्णय लेगी।

बैठक में पर्यावरणविद् डॉ. अर्जुन पांडे ने भी जल संकट के समाधान के सुझाव दिए।

मथुरा में महाराणा प्रताप की निकाली भव्य शोभायात्रा

क्षत्रिय समाज ने बैंड-बाजे के साथ झांकियां सजाईं, पुलिस बल रहा तैनात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम के साथ क्षत्रिय राजपूत वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में महामानव महाराणा प्रताप जी की 485 वीं जयंती के उपलक्ष में शोभायात्रा निकाली गई।

जिसमें मुख्य आकर्षण के रूप में महामानव महाराणा प्रताप जी के साथ 11 आकर्षक झांकियां लोगों का मन मोह रहीं थीं।

इन झांकियों में ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित झांकी भारत देश के स्वाभिमान का प्रतीक नजर आ रही थी तो वही बेटी है तो भविष्य है को दशार्ती झांकी ने बेटियों के सम्मान को चार चांद लगाए हुए थे। शोभायात्रा में नासिक से आये पीएसएम बैंड ने ढोल ,नगाड़ा घंटियों की धून पर लोगों को थिरकने को मजबूर कर दिया। हजारों की संख्या में महाराणा प्रताप के अनुयाई सर पर स्वाफा बांध कर महामानव महाराणा प्रताप जी के जय घोष करते नजर आए।

नगर भृमण के दौरान जगह ,जगह विक्की वाल्मीकि , एनू कुरैशी , लकी ठाकुर , मलिक अरोड़ा आदि लोगों ने अपने समाज के लोगों के साथ हिंदू हृदय सम्राट महाराणा प्रताप जी की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा का शुभारंभ भगत सिंह पार्क डेम्पियर नगर से किया गया। जो कि भरतपुर गेट, होली गेट, विकास मार्केट से होती हुई भगत सिंह पार्क पर समापन किया गया।

क्षत्रिय राजपूत वेलफेयर सोसाइटी के ठाकुर तेजवीर सिंह पार्षद, प्रवीण ठाकुर, करन ठाकुर एडवोकेट, सिकंदर सिंह, विजेंद्र सिंह, राहुल सिकरवार के नेतृत्व में शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

भाजपा महिला विंग ने सिंदूर लगाकर निकाली रैली

हाथ में तिरंगा लेकर जिपं अध्यक्ष बोलीं अपशब्द, पाक में सेना की कार्रवाई को सराहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, भाजपा ने जिले भर में सेना के सम्मान में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। शहर में जहां महिला मोर्चा की ओर से कार्यक्रम आयोजित हुआ वहीं इसौली विधानसभा क्षेत्र के बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर जिला पंचायत अध्यक्षा ऊषा सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा निकाली गई। जिसमें जिपं अध्यक्ष हाथ में तिरंगा लेकर गाली-गलौज करती नजर आई। इसका एक वीडियो सामने आया है। बल्दीराय में जिला पंचायत अध्यक्षा ऊषा सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा प्राचीन राम जानकी मंदिर से शुरू हुई। यात्रा से पहले पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने इतिहास रचा है। उन्होंने बताया कि यह पहला मौका है जब किसी परमाणु संपन्न देश में घुसकर आतंकवादियों को मारा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार ने आतंकी हमले को युद्ध के समान माना है। यात्रा श्री शंकराचार्य इंटर कॉलेज पर समाप्त हुई। इस दौरान भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगे। भाजपा नेता विकास शुक्ला ने कहा कि आपरेशन सिंदूर में सेना का पराक्रम पाकिस्तान लंबे समय तक याद रखेगा।

रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल

नोएडा में परिचालक से मारपीट के विरोध में बस सेवा ठप की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, बुद्ध विहार डिपो के रोडवेज कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल का कारण नोएडा में एक परिचालक के साथ हुई मारपीट है। बुद्ध विहार डिपो का परिचालक नोएडा से अलीगढ़ की बस सेवा संचालित कर रहा था। सेक्टर 37 में जब वह सवारियां भर रहा था, तभी निजी बस चालक ने रोडवेज बस में घुसकर सवारियों को उतारना शुरू कर दिया। परिचालक ने इसका विरोध किया तो निजी बस चालकों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। कर्मचारियों का आरोप है कि यह घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई। पुलिस ने न तो बीच-बचाव किया और न ही कोई कार्रवाई की। उनका कहना है कि नोएडा पुलिस निजी बस चालकों को संरक्षण दे रही है। इस घटना के विरोध में बुद्ध विहार डिपो के सभी चालक और परिचालक वर्कशॉप में एकत्र हुए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हड़ताल शुरू कर दी। सभी बसें वर्कशॉप में खड़ी कर दी गई हैं।

कटे होंठ-तालू वाले बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर

55 बच्चों का पंजीकरण, 20 को लखनऊ भेजा; खाने-रहने की मुफ्त व्यवस्था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिला संयुक्त चिकित्सालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्माइल ट्रेन संस्था और रकढर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से आयोजित इस शिविर में जन्म से कटे होंठ और तालू वाले 19 वर्ष तक के बच्चों का पंजीकरण किया गया। शिविर में कुल 55 बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 20 बच्चों को तत्काल इलाज के लिए संस्था की बस से लखनऊ स्थित हॉस्पिटल भेजा गया। इन बच्चों के रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। शेष बच्चों को भी जल्द ही लखनऊ भेजा जाएगा। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशूमान सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव सौरभ और डॉ. वरुण शुक्ला ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आरबीएसके कार्यक्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का जनपद में संचालन प्रोजेक्ट मैनेजर मोहम्मद आमीन खान कर रहे हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एन.के. मिश्रा ने बताया कि डीईआईसी सेंटर्स के माध्यम से बच्चों में जन्मजात दिल का छेद, कम सुनना, अस्थि रोग और पैर का घुमा होना जैसी लगभग 40 प्रकार की जन्मजात बीमारियों का भी निःशुल्क इलाज किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी